CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 235 ता. 13 मार्च 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल मलिक ने मोदी सरकार को लेकर दिया विवादित बयान

नई दिल्ली । मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। कभी जम्मू कश्मीर आतंकी घटना को लेकर बयान सामने आता है,तब कभी किसान आंदोलन के मुद्दे पर केंद्र सरकार की घेराबंदी करते नजर आते हैं। इसी क्रम में उन्होंने कार्यक्रम में विवादित बयान दिया है। जहां मलिक किसानों के हक में बातचीत के अलावा लड़ाई और हिंसा की बात तक कह डाली। सत्यपाल मलिक ने कहा कि दिल्ली में जो सरकार है, मैं उसके खिलाफ नहीं हूं, किसानों को अब और दबाकर नहीं रखा जा सकता। किसान अपना हक लेकर रहने वाले हैं, बातचीत से नहीं दोगे तो लड़ाई से लेंगे, लड़ाई से नहीं मिलेगा,तब हिंसा से लेंगे। मलिक ने कहा कि दिल्ली को मेरी सलाह है, कि वहां किसानों से न भिड़ें, वे खतरनाक लोग हैं। किसान जो चाहते हैं, वहां हासिल कर लेंगे। बिहार, गोवा और जम्मू-कश्मीर (केंद्र शासित प्रदेश बनने से पहले) के पूर्व राज्यपाल ने कहा कि वह किसानों के मुद्दों को उठाने के लिए अपना पद खो सकते हैं, लेकिन अपनी आवाज उठाने या राज्यपाल का पद छीने जाने से नहीं डरते। इसके साथ ही मलिक ने केंद्र सरकार को किसानों से किए गए सभी वादों को पूरा करने की भी सलाह दी, जिन्होंने इस संबंध में सरकार से आश्वासन दिए जाने पर पिछले साल दिसंबर में कृषि कानूनों के खिलाफ अपना साल भर का आंदोलन समाप्त कर दिया था।

योगी का दिल्ली दौरा पीएम मोदी नड्डा से मिलेंगे सीएम

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 13 मार्च को दिल्ली के दौरे पर रहेंगे। वहां वह पीएम नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है होली के बाद योगी आदित्यनाथ का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। मिली जानकारी के अनुसार योगी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे। बताया जा रहा है यूपी में शपथ ग्रहण कार्यक्रम के लिए बीजेपी संगठन ने कुछ तारीखों को केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा है। इस सम्बन्ध में नई दिल्ली में बैठक हुई जिसमें शपथ ग्रहण की तारीख पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। सूचना है कि नई दिल्ली में होने वाली बैठक में बीजेपी अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और संगठन महामंत्री सुनील बंसल भी मौजूद रहेंगे। 13 मार्च से दिल्ली में यूपी संगठन के साथ बैठकों का दौर शुरू होगा। बताया जा रहा है कि यूपी में योगी सरकार पार्ट-2 के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित कई केंद्रीय मंत्री और बड़े नेता मौजूद रहेंगे। भाजपा शासन वाले प्रदेशों के मुख्यमंत्री भी इसका हिस्सा बन सकते हैं। यूपी की सत्ता में बीजेपी की वापसी प्रचंड जीत से हुई है। इस चुनाव में भाजपा ने अकेले 255 सीटें जीती हैं। 403 सदस्यों वाली यूपी विधानसभा में बहुमत के लिए 202 विधायकों की जरूरत होती है। योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिलकर उन्हें अपना औपचारिक इस्तीफा सौंप दिया है। इस बीच आज लखनऊ पांच कालीदास

गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी का मेगा शो, दो दिन में किए तीन रोड शो

विधानसभा चुनाव

एजेंसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में चार राज्यों के विधानसभा चुनावों, जिन्हें 2024 के आम चुनाव का सेमीफ़ाइनल क़रार दिया जा रहा था, में भाजपा की भारी जीत के बाद अपने गृह राज्य गुजरात के पहले दौरे के दौरान दो दिन में ही तीन-तीन रोड शो किए। मोदी ने आज अपने दौरे के अंतिम दिन दो रोड शो किए। का पहला रोड शो गांधीनगर में रक्षा विश्वविद्यालय तक क़रीब 25 किमी का था। इस दौरान उन्होंने रास्ते में ही गाड़ी भी बदली। दूसरा रोड शो शाम को इंदिरा ब्रिज से सरदार पटेल स्टेडियम तक क़रीब 14 किमी का था। सभी रोड शो के दौरान सड़क के किनारे लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने उन पर फूल भी बरसाए। कई स्थानों पर मोदी ने गाड़ी से उतर कर लोगों का अभिवादन किया। मोदी ने पहला रोड शो कल हवाई अड्डे से भाजपा के प्रदेश मुख्यालय कोबा स्थित कमलम तक खुली जीप में किया था। क़रीब 10 किमी लम्बे इस रोड शो के दौरान तो सड़क के किनारे कई मंच बना कर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए गए।उन्होंने कल भाजपा के नेताओं के साथ बैठक के अलावा गुजरात पंचायत महासम्मेलन में शिरकत की थी। आज रक्षा विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में भाग लेने के बाद शाम को वह सरदार पटेल स्टेडियम में रंगा रंग कार्यक्रम के बीच खेल महाकुम्भ का उद्घाटन और खेल नीति को भी लांच करेंगे। मोदी आज रात नई दिल्ली वापस लौट जायेंगे। ज्ञातव्य है कि इसी साल गुजरात में भी विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।मोदी के राज्य में भाजपा ढाई दशक से अधिक समय से लगातार सत्तारूढ़ है। इन रोड शो को आगामी विधान सभा चुनाव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। मोदी के राज्य में भाजपा ढाई दशक से अधिक समय से लगातार सत्तारूढ़ है। इन रोड शो को आगामी विधान सभा चुनाव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है।

शिवपाल यादव बोले- पार्टी के अनुकूल था माहौल, पराजय के कारणों की करेंगे समीक्षा

लखनऊ । यूपी विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत एनडीए को छोड़कर अन्य राजनीतिक दल पराजय के कारणों पर मंथन करने में जुट गई हैं। 403 विधानसभा क्षेत्रों के लिए हुए मतदान में एनडीए को 273 सीटें मिली हैं। जबकि विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) ने 111 सीटों पर जीत दर्ज कर की है। इसके अतिरिक्त सपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल ने 8 और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने 6 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस के हिस्से में 2 और बसपा के हिस्से में एक सीट आई है। मालूम हो कि जसवंतनगर सीट से चुनावी मैदान में उतरे शिवपाल यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विवेक शाक्य को शिकस्त दे दी है। सपा के शिवपाल यादव को 1,59,718 वोट मिले। जबकि भाजपा के विवेक शाक्य को 68,739 वोटो से ही संतोष करना पड़ा। जिसके बाद शिवपाल यादव का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा कि माहौल पार्टी के अनुकूल था लेकिन पार्टियों में कुछ कमियां रह गई थीं। ऐसे में हम उन पर विचार करेंगे। खबरों के मुताबिक, जसवंतनगर सीट से नवनिर्वाचित विधायक शिवपाल यादव ने कहा कि माहौल हमारी पार्टी के अनुकूल था लेकिन कुछ कमियां रह गई थीं। ऐसे में हम उन पर विचार करेंगे और उनका विश्लेषण भी करेंगे। इस दौरान उन्होंने पार्टी को मजबूत करने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि जीतने वाले विधायकों के साथ हमारा वोट प्रतिशत बढ़ा है लेकिन कहीं-न-कहीं भाजपा को फायदा मिला है।

अखिलेश की सभा से गदगद सपाइयों को नतीजों से लगा झटका

गोरखपुर ।

गोरखपुर की सभी नौ विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी को लगातार दूसरी बार बड़ा झटका लगा है। सपा प्रत्याशियों ने सभी सीटों पर कांटे की टक्कर दी लेकिन परिणाम ने शीर्ष नेतृत्व के साथ ही साथ स्थानीय नेताओं को भी सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इधर सपा नेता अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की रैलियों-जनसभाओं में उमड़ने वाली भीड़ को देखकर गदगद होते रहे और उधर मतदाताओं में सेंध लगती रही। वर्ष 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में सपा जिले की सभी 9 विधानसभा सीटें हार गई थी। यह हाल तब था जब सपा ने कांग्रेस से गठबंधन किया था और पूरे प्रदेश में यह चर्चाएं होने लगी थीं कि लड़के आ रहे हैं। लड़कों से मतलब था कि अखिलेश यादव और राहुल गांधी की जोड़ी प्रदेश में सरकार बनाने जा रही है। हालांकि लड़कों का जादू मतदाताओं पर नहीं चला और दोनों दलों के प्रत्याशी हार गए। सपा को पिपराइच, सहजनवां, गोरखपुर ग्रामीण और चौरीचौरा में दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा जबकि कांग्रेस के प्रत्याशी गोरखपुर शहर और कैम्पियरगंज में दूसरे स्थान पर रहे। चिल्लूपार में भाजपा दूसरे स्थान पर रही और खजनी तथा बांसगांव में बसपा प्रत्याशी दूसरे स्थान पर रहे। सपा ने इस बार चुनाव में छोटे-छोटे दलों से गठबंधन किया और सभी को साथ लेकर मैदान में उतरी। सपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की जनसभाओं और रैलियों में खूब भीड़ उमड़ी। सपा नेता यह देखकर गदगद होते रहे और यह सोचकर उनका मनोबल बढ़ता गया कि जातीय गणित को मजबूत करने के लिए छोटे दलों से किया गया गठबंधन कारगर साबित हुआ है। अखिलेश यादव की पिपराइच में जनसभा हो या बड़लहगंज में, या फिर चौरीचौरा और शहर में। भीड़ देखकर सपा नेता और कार्यकर्ता अपने प्रत्याशियों की जीत पक्की मान बैठे और धरातल पर मजबूत होने में लापरवाही कर गए। उधर, भाजपा के कद्दावर नेताओं मसलन योगी, जहां भीड़ जुटी वहीं पार्टी के मतदाताओं के बीच पैठ बनाई।

सीएम स्वेच्छा अनुदान मे मजूर की गई देढ लाख के लिये मांगे 50 हजार

भोपाल। मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान के तहत मजूंर की गई डेढ़ लाख की रकम दिलाने के नाम पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा फरियादी से 50 हजार रुपए की घूस मांगने का मामला सामने आया है। वही फरियादी ने जब पैसा देने मे असर्थता जताई तो उसकी मजूंर की गई राशि को कैंसिल कर दिया गया। बाद मे सीएम कार्यालय की शिकायत पर हबीबगंज पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की जॉच शुरु कर दी है। हालांकि अभी यह सामने नही आ सका है कि आरोपी ने मजूंर होने के बाद फरियादी की मदद राशि को कैंसिल किस तहर करा दिया। मिली जानकारी के अनुसार मूल रुप से छिंदवाड़ा के रहने वाले 36 वर्षीय मनीष चौधरी ने अपनी शिकायत मे बताया कि वो गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, ओर भोपाल के नागपुर अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान के लिए आवेदन दिया था। बीती 1 जनवरी 2022 को उनके मोबाइल में मैसेज आया जिसमे मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान के तहत डेढ़ लाख की रकम स्वीकृत होने की जानकारी दी गई थी। मैसैज के अगले दिन उनके मोबाईल पर अज्ञात व्यक्ति का फोन आया जिसने उनसे कहा कि आपके डेढ़ लाख रुपए स्वीकृत हो गए हैं।

दिल्ली कोर्ट ने पति को दिया महिला को 1 लाख रुपये देने का आदेश

नई दिल्ली । दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नीलोफर आबिदा प्रवीण की अदालत ने इस मामले में पति को निर्देश दिया है कि वह पत्नी के इलाज के लिए एक लाख रुपये की राशि दे। अदालत ने यह भी कहा कि इस समय पीड़ित महिला मानसिक, शारीरिक परेशानी के साथ ही आर्थिक तंगी से जूझ रही है। उसके साथ यह व्यवहार उचित नहीं है। इस समय इस महिला को आर्थिक मदद के साथ ही अपनत्व की जरूरत है। अदालत प्रतिवादी को महिला के साथ किसी तरह के व्यवहार के लिए बाध्य नहीं कर सकती, लेकिन उसके इलाज के लिए रकम देने का निर्देश दे सकती है, जैसा कि किया भी जा रहा है। हालांकि, पति का कहना था कि वह एक मामूली दिहाड़ी कर्मचारी है और पहले ही पत्नी को गुजाराभत्ते के तौर पर 15 हजार रुपये महीना दे रहा है। इस पर अदालत ने टिप्पणी की कि गुजाराभत्ता अलग मसला है। यहां एक गंभीर बीमारी के लिए आर्थिक सहायता का मामला है। दंपति ने वर्ष 2015 में प्रेम विवाह किया था, लेकिन कुछ समय बाद ही दोनों में मतभेद शुरू हो गया। दो साल बाद ही दोनों अलग रहने लगे। घरेलू हिंसा से लेकर दहेज प्रताड़ना जैसे कई मुकदमे अदालत में पहुंच गए। अदालत ने घरेलू हिंसा के मामले पर सुनवाई करते हुए प्रतिवादी पति को पत्नी को घर खर्च के तौर पर 15 हजार रुपये महीना देने का निर्देश दिया था।

देश में बचे कोरोना के महज 40 हजार केस नए मामले 3600 ही मिले

नई दिल्ली । भारत में लगातार कोरोना के केसेज कम होते जा रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 3,614 नए मामले सामने आए हैं। 12 मई 2020 के बाद यह एक दिन में सामने आए सबसे कम मामले हैं। वहीं देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,29,87,875 हो गई है, जबकि इलाज करा रहे मरीजों की संख्या घटकर 40,559 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार सुबह आठ बजे यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक बीते 24 घंटे के दौरान 89 और मरीजों की मौत होने से देश में कोविड-19 महामारी से जान गंवाने वालों की कुल संख्या 5,15,803 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक कुल संक्रमितों के मुकाबले इलाज करा रहे मरीजों की संख्या केवल 0.09 प्रतिशत है। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर कोविड-19 से ठीक होने की दर में भी और सुधार हुआ है और यह 98.71 प्रतिशत तक पहुंच गयी है। मंत्रालय ने बताया कि गत 24 घंटे के दौरान उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,660 की कमी आई है। आंकड़ों के मुताबिक 12 मई 2020 को 3,604 नए मामले सामने आए थे,उसके बाद ये एक दिन में सबसे कम मामले हैं। मंत्रालय ने बताया कि अबतक 4,24,31,513 मरीज ठीक हो चुके हैं जबकि मृत्युदर 1.2 प्रतिशत है। इस बीच, देश में अबतक कोविड-19 टीके की 179.91 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं।

ममता की कांग्रेस पर टिप्पणी पर भड़के अधीर रंजन कहा- दीदी भाजपा की हैं एजेंट

कोलकाता ।

वरिष्ठ कांग्रेसीनेता अधीर रंजन चौधरी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के कांग्रेस को लेकर बयान पर भड़क गए और शनिवार को उनपर जमकर निशाना साधा। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर कांग्रेस नहीं होती तो ममता बनर्जी जैसे लोग पैदा नहीं होते। उन्हें यह याद रखना चाहिए। अधीर रंजन ने कहा, आप कांग्रेस के खिलाफ टिप्पणी क्यों कर रही हैं? अगर कांग्रेस नहीं होती तो ममता बनर्जी जैसे लोग पैदा नहीं होते। उन्हें यह याद रखना चाहिए। वे बीजेपी को खुश करने के लिए गोवा गईं, उन्होंने कांग्रेस को हरा दिया। आपने गोवा में कांग्रेस को कमजोर किया, यह सब जानते हैं। कांग्रेस नेता ने ममता बनर्जी पर भाजपा के एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगाया। अधीर रंजन ने कहा, वे (ममता बनर्जी) भाजपा को खुश करने और भाजपा के एजेंट के रूप में काम करने के लिए ऐसा कह रही हैं। प्रासंगिक बने रहने के लिए वह इस तरह की बातें कहती हैं। पागल व्यक्ति को जवाब देना सही नहीं है, पूरे भारत में कांग्रेस के 700 विधायक हैं। दीदी के पास हैं? कांग्रेस के पास विपक्ष के कुल वोट शेयर का 20 फीसदी है। क्या उनके पास है? ममता ने कहा था- कांग्रेस को साथ रखने का कोई मतलब नहीं दरअसल, विधानसभा चुनावों में चार राज्यों में भाजपा की जीत के बाद बीजेपी-विरोधी गठबंधन के लिए ममता ने क्षेत्रीय दलों से संपर्क साधने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इस सिलसिले में उन्होंने शुक्रवार को कहा था कि कांग्रेस को साथ रखने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि अब उसमें वह बात नहीं रही। बनर्जी ने कहा, मुझे लगता है कि भाजपा का मुकाबला करने को इच्छुक सभी राजनीतिक दलों को साथ मिलकर काम करना चाहिए। कांग्रेस पर निर्भर रहने का कोई मतलब नहीं है।

बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर की धमकी लोनी में नहीं चलने देंगे मीट-मांस की कोई दुकान

गाजियाबाद ।

दिल्ली से सटी गाजियाबाद जिले की लोनी विधानसभा सीट से दोबारा भाजपा विधायक चुने गए नंद किशोर गुर्जर अपने विधानसभा क्षेत्र में सभी मांस की दुकानों को तुरंत बंद करने की धमकी दी है। उन्होंने सभी अधिकारियों से बिना देरी इन दुकानों को तुरंत बंद कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि लोनी में राम राज्य है और राम राज्य में मांस की दुकानें नहीं चल सकती हैं। दूध-घी खाओ और दंड मारो, अगर किसी के पास गाय नहीं है तो वह उसे गाय दिला देंगे। जानकारी के अनुसार, लोनी से दोबारा भाजपा विधायक बने नंद किशोर गुर्जर शुक्रवार दोपहर लोनी तिराहे के पास दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचे थे, इस दौरान लोगों ने उनका फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया द्य इस मौके पर नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि लोनी में कुछ अधिकारी विपक्षी दलों के नेताओं के साथ सांठगांठ कर अवैध रूप से मांस की दुकानें चलवा रहे हैं, जबकि लोनी में ऑर्डिनेंस एक्ट के तहत किसी भी तरह की मीट-मांस की दुकानें व ढाबा आदि नहीं खोला जा सकता द्य उन्होंने अविलंब मांस की सभी दुकानों को बंद करने तथा अवैध रूप से दुकानें खोलने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी द्य गौरतलब है कि दो दिन पहले आए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव परिणामों में लोनी विधानसभा में लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर भाजपा प्रत्याशी नंद किशोर गुर्जर ने विरोधियों करारा जबाव दिया है। लोनी सीट पर नंद किशोर गुर्जर का मुकाबला सपा-रालोद गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया से था।गाजियाबाद जिले की पांचों विधानसभाओं में नंद किशोर गुर्जर को सबसे कम वोटों के अंतर से जीत मिली। पिछली बार जहां उन्होंने 42813 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी ।

लाभार्थी वर्ग से दिखा बड़ा लाभ भाजपा पूरे देश के लिए बना रही चुनावी प्लान

लखनऊ । उत्तर प्रदेश समेत 4 राज्यों के विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बाद भाजपा को लाभार्थी वर्ग से उम्मीदें बढ़ गई हैं। खासतौर पर यूपी से आए चुनाव नतीजों को लेकर पार्टी हाईकमान का मानना है कि केंद्रीय योजनाओं का लाभ लेने वाले लोगों ने चुपचाप भाजपा को बड़ी संख्या में वोट दिया है, जो नतीजे के तौर पर दिखा है। ऐसे में भाजपा इसे पूरे देश में ही एक चुनावी रणनीति के तौर पर लागू करने की कोशिश में है। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने सोशल वेलफेयर स्कीमों का देश भर में आक्रामक प्रचार करने का फैसला लिया है। सरका का मानना है कि लाभार्थी एक ऐसा वर्ग है, जो महिला, आदिवासी, दलित, ओबीसी औरकरने की कोशिश में है। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने सोशल वेलफेयर स्कीमों का देश भर में आक्रामक प्रचार करने का फैसला लिया है। सरका का मानना है कि लाभार्थी एक ऐसा वर्ग है, जो महिला, आदिवासी, दलित, ओबीसी और अल्पसंख्यों को मिलकर तैयार होता है। इसके अलावा अगड़ी जातियों की भी बड़ी संख्या में इसमें समाहित हो जाती है। ऐसे में भाजपा इस लाभार्थी वर्ग को अपनी सबसे बड़ी चुनावी संभावना के तौर पर देख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक पीएमओ ने सभी संबंधित मंत्रालयों से डेटा मांगा है कि कितनी सोशल स्कीम चल रही हैं, उनका कितने लोगों को फायदा मिला है और इसके लिए अब तक कितना बजट आवंटित हो चुका है। केंद्र सरकार की योजना यह है कि इसका देश भर में प्रचार किया जाए। इसके अलावा सरकार ने उन सभी योजनाओं के बारे में भी प्लान मांगा है, जिन्हें लॉन्च करने की योजना है। पीएम आवास योजना, खाद्यान्न योजना, शौचालय, उज्ज्वला योजना और बिजली की आपूर्ति जैसे मुद्दों को वह लगातार उठा रहे थे। माना जा रहा है कि बेरोजगारी, महंगाई और जातीय गोलबंदी जैसी तमाम कोशिशों की काट भाजपा ने इसी लाभार्थी वर्ग के बूते की है। खाद्यान्न योजना, शौचालय, उज्ज्वला योजना और बिजली की आपूर्ति जैसे मुद्दों को वह लगातार उठा रहे थे। माना जा रहा है कि बेरोजगारी, महंगाई और जातीय गोलबंदी जैसी तमाम कोशिशों की काट भाजपा ने इसी लाभार्थी वर्ग के बूते की है। दरअसल उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ की ऐसी आबादी है, जिसे बीते सालों में मुफ्त राशन समेत तमाम योजनाओं का लाभ मिला है। ऐसे में उनके एक हिस्से ने भी यदि भाजपा को वोट दिया है तो उसे बड़ा फायदा मिल गया। इसके अलावा 18 फीसदी ज्यादा महिलाओं ने वोट किया है, जिसे भाजपा अपने पक्ष में मान रही है।

योगी मंत्रिमंडल में वेस्ट यूपी के इन नेताओं को मिल सकती हैं जगह

मेरठ ।

प्रदेश में दुबारा सत्तासीन हुई भाजपा सरकार मंत्रिमंडल गठन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक गलियारों से लेकर मीडिया तक मंत्रिमंडल के दावेदारों पर कयास लग रहे हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. लक्ष्मीकांत बाजपेयी की किस्मत बड़ी करवट ले सकती है। वहीं, सुरेश राणा की हार के बाद ठाकुर चेहरे के रूप में युवा नेता व नोएडा विधायक पंकज सिंह को जगह मिल सकती है। उधर, लखनऊ में सीएम आवास के आसपास बढ़ी हलचल को जनप्रतिनिधि नई संभावनाओं के रूप में देख रहे हैं। मेरठ से तीन विधायक सदन पहुंचे हैं, जिसमें पिछली सरकार में राज्यमंत्री रहे दिनेश खटीक का दावा सबसे बड़ा है। अंतिम मंत्रिमंडल विस्तार में दिनेश को शामिल कर मेरठ को प्रतिनिधित्व देने के साथ ही दलित समीकरण भी साधा गया, जो इस बार फिर तैयार हैं। प्रदेश के कई अन्य दलित चेहरों से उन्हें चुनौती मिलेगी। 25 साल बाद विधायक बनकर तीसरी बार सदन पहुंचने वाले अनुभवी चेहरा एवं कैंट विधायक अमित अग्रवाल का दावा भी मजबूत है। यह सीट मेरठ में 1989 से भाजपा की साख बचा रही है, जहां इस बार अमित 1.18 लाख के रिकार्ड मतों से जीते हैं। वहीं योगी सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल एवं अतुल गर्ग के साथ अमित भी दावेदारी जताएंगे। मेरठ दक्षिण विस सीट से कड़ी चुनौती पार कर फिर से जीते युवा गुर्जर चेहरा डा. सोमेंद्र तोमर का मंत्रिमंडल में बड़ा दावा है।माना जा रहा है कि पार्टी उनके नाम पर दांव लगा सकती है। सोमेंद्र के साथ गुर्जर चेहरों में तेजपाल नागर, नन्दकिशोर गुर्जर एवं मुकेश चौधरी की भी दावेदारी है। माना जा रहा है कि पार्टी उनके नाम पर दांव लगा सकती है। सोमेंद्र के साथ गुर्जर चेहरों में तेजपाल नागर, नन्दकिशोर गुर्जर एवं मुकेश चौधरी की भी दावेदारी है। पिछली सरकार में दूसरे मंत्रिमंडल विस्तार में गुर्जर चेहरा अशोक कटारिया को शामिल किया गया, जिनका दावा इस बार भी मजबूत है।

आसपास के जिलों से ब्राहमण चेहरों में बुलंदशहर के अनिल शर्मा, संजय शर्मा एवं साहिबाबाद से सुनील शर्मा मंत्रिमंडल की रेस में हैं, जबकि एमएलसी श्रीचंद शर्मा को भी मौका मिल सकता है। वहीं, जाट चेहरों में बागपत से दूसरी बार जीते योगेश धामा को अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। दो ओबीसी चेहरों को भी टीम में स्थान मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बहनजी के इकलौते विधायक उमाशंकर के भाजपा में जाने की अफवाह, कार्रवाई के लिए पुलिस थाने पहुंचे

बलिया । चुनाव परिणाम आने के बाद से ही बसपा से प्रदेश के इकलौते रसड़ा विधानसभा से विधायक उमाशंकर सिंह को लेकर चर्चा बनी हुई है। वह यूपी में बसपा से इकलौता विधायक होने की वजह से चर्चा में हैं। शनिवार को उनके भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने संबंधी सूचना इंटरनेट मीडिया में फैलने के बाद उमाशंकर असहज हो गए और कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक बलिया की चौखट पर पहुंच गए। सूचना में बताया गया है कि उमाशंकर सिंह भाजपा में शामिल हो सकते हैं। भाजपा में शामिल होने और साथ ही कैबिनेट में भी शामिल होने की पुष्टि कुछ देर में होगी। बसपा पार्टी ने भी उन्हें निलंबित कर दिया है। वे लगातार भाजपा के संपर्क में हैं। उन्हें कैबिनेट मंत्री का पद दिया जा सकता है। वे लगातार बसपा से चार या पांच बार विधायक रहे हैं। क्षेत्र में ही गरीब, मजलूम व वंचित समाज की मदद करते थे। चाहे वह किसी वर्ग के रहें हों। उन्होंने इस बार केवल 7 हजार मतों से विजय हासिल की है। क्योंकि राजभर प्रत्याशी सपा गठबंधन से था और राजभर बिरादरी अपनी बिरादरी पर गई है। इस आशय की भ्रामक सूचना प्रसारित होने के बाद विधायक समर्थकों में भी रोष व्याप्त हो गया है। बलिया जिले में इंटरनेट मीडिया हैंडल के खिलाफ पुलिस अधीक्षक से उन्हें होने शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है। रसडा विधान सभा से निर्वाचित विधायक उमाशंकर सिंह ने इस बाबत झूठी सूचना प्रसारित करने पर फेसबुक एकाउंट के खिलाफ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। उन्होंने उक एकाउंट को ब्लाक किए जाने हेतु एसपी को पत्र दिया है। विधायक ने पत्र में कहा है कि इंटरनेट मीडिया में मौजूद एक फेसबुक एकाउंट द्वारा भ्रामक और आधारहीन इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित की गई है। इस सूचना से जनता के बीच मेरी लोकप्रिय छवि को धूमिल करने हेतु सुनियोजित एवं कूटनीतिक तरीके से एकाउंट संचालक द्वारा एक सोची समझी साजिश रची जा रही है।

बदमाशों ने एसबीआई एटीएम से उड़ाए 23 लाख रुपए

फगवाड़ा । पंजाब के फगवाड़ा जिले में बदमाशों के हौंसले काफी बुलंद हैं। यहां एक गांव में शुक्रवार देर रात कार सवार दो अज्ञात बदमाशों ने बैंक की ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) से 23 लाख रुपए की नकदी लूट ली। सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) मोहिंदर सिंह ने कहा कि फगवाड़ा-जालंधर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित खजुराला गांव में एटीएम केबिन के ताले गैस कटर से काटकर इस वारदात को अंजाम दिया गया। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में दो लोगों को वारदात को अंजाम देते हुए देखा गया है। एएसआई ने कहा, हमें ग्राम प्रधान से घटना के बारे में जानकारी मिली है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराने वाले बैंक के शाखा प्रबंधक रवि कुमार ने कहा कि देर रात करीब 3.05 बजे हुई। उन्होंने कहा कि रात के समय शाखा में कोई सुरक्षा गार्ड नहीं था। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

दुर्घटनग्रस्त होते होते बचा एयर इंडिया का विमान, सभी सवार 54 यात्री सुरक्षित

जबलपुर । जबलपुर के डुमना हवाई अड्डे पर शनिवार को एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गया। दिल्ली से चलकर आने वाला यह विमान एयरपोर्ट पर लैंड करते समय अनियंत्रित हो गया। इसके चलते विमान फिसलते हुए रनवे से बाहर चला गया। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। बाद में पायलटों की सूझबूझ से किसी तरह विमान को वापस रनवे पर लाया गया। विमान में 54 यात्री सवार थे। बताया जाता है कि दिल्ली से चलकर जबलपुर आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ई-6 दोपहर को जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट पर पहुंची थी। हवाई पट्टी पर उतरते वक्त विमान अनियंत्रित होकर रनवे से बाहर की तरफ जाने लगा। इससे विमान में हड़कंप मच गया और यात्री भयभीत हो गए। इसके बाद पायलटों की सूझबूझ से विमान किसी तरह रनवे पर लाया गया। एयरपोर्ट पर दुर्घटना बचने की जानकारी होते ही एयरपोर्ट अथॉरिटी और फायरब्रिगेड के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद लोगों को सकुशल बाहर लाया गया। विमान कैसे रनवे से फिसला और यह हादसा कैसे हुआ इसकी जांच की जा रही है।

मुंबई पुलिस ने देवेंद्र फडणवीस को भेजा नोटिस

मुंबई । फोन टैपिंग केस में मुंबई पुलिस ने शनिवार को भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को नोटिस भेजा। इसमें उनसे कल सुबह 11 बजे बीकेसी साइबर पुलिस स्टेशन में पेश होने के लिए कहा गया है। फडणवीस ने कहा, ÷मुझे मुंबई पुलिस की तरफ से सीआरपीसी की धारा 160 के तहत एक नोटिस मिला है, जिसमें मुझे कल सुबह 11 बजे बीकेसी साइबर पुलिस स्टेशन में उनके सामने पेश होने के लिए कहा गया है। मैं वहां जाकर अपना बयान दर्ज कराऊंगा। देवेंद्र फडणवीस ने कहा मुझे इस बात का आश्चर्य है कि जो घोटालेबाज है और जिनकी सीबीआई जांच कर रही है अगर उनको सरकार सही समय पर पकड़ती और मामले को 6 महीने दबाकर नहीं रखती तो शायद मुझे खुलासा करने की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दोषियों को बचाना चाहती है और इसे उजागर करने वाले को पुलिस स्टेशन बुलाया जा रहा है। फडणवीस ने कहा, एलओपी के रूप में, मुझे यह जानकारी कहां से मिली, इसका खुलासा नहीं करने का मेरे पास विशेषाधिकार है। लेकिन मैं एक बार गृह मंत्री था और मैं अपनी जिम्मेदारी समझता हूं। अगर कोई अपराध झूठा दर्ज किया गया था और अगर पुलिस को कुछ मदद चाहिए तो मैं जवाब दूंगा। इसलिए कल पुलिस स्टेशन जाऊंगा। दरअसल, भारतीय पुलिस सेवा की वरिष्ठ अधिकारी रश्मि शुक्ला के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में मुंबई पुलिस ने दावा किया है कि शुक्ला ने शिवसेना सांसद संजय राउत और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता एकनाथ खड़से के फोन अवैध रूप से टैप किए थे। दक्षिण मुंबई के कोलाबा पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी में कहा गया कि उक्त अधिकारियों ने निहित राजनीतिक स्वार्थ के चलते 2019 में इन दोनों नेताओं के फोन टैप किए थे।

सीएम पद की शपथ लेने से पहले मान ने दिया पूर्व मंत्रियों और विधायक को झटका, सभी की सुरक्षा वापस ली

चड़ीगढ़ ।

भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने से पहले पंजाब पुलिस ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य के सभी पूर्व मंत्रियों व पूर्व विधायकों की सुरक्षा वापस लेने के आदेश जारी हुए हैं। यह आदेश एडीजीपी ने सभी पुलिस प्रमुखों को भेज दिए हैं। मुख्यमंत्री मान ने सत्ता संभालने से पहले पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों, अलग-अलग राजनीतिक पार्टी के पूर्व अध्यक्षों की सुरक्षा वापस लेने का निर्णय लिया। एडीजीपी सिक्योरिटी पंजाब की ओर इस लेकर दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। पंजाब की पूर्व चन्नी सरकार में मंत्री रहे लगभग सभी विधायकों की सुरक्षा वापस लेने के आदेश जारी किए हैं। बात दें कि 400 से ज्यादा अलग-अलग बटालियनों व कमांडो फोर्सेस के कर्मचारी इन वीआईपी की सुरक्षा में लगे हुए थे। सुरक्षा तत्काल प्रभाव से वापस लेने का आदेश जारी हुए हैं। पुलिस विभाग की ओर से जारी आदेशों के मुताबिक 13 पूर्व मंत्रियों, एक पूर्व स्पीकर, एक पूर्व डिप्टी स्पीकर सहित 122 लोगों की सुरक्षा वापस ली गई है। इनमें 100 से ज्यादा पूर्व और मौजूद विधायक हैं। सबसे ज्यादा सुरक्षा पंजाब की पूर्व सरकार में मंत्री रहे अमरिंदर सिंह राजा वाडिंग और वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल की वापस ली गई है। मनप्रीत बादल को सुरक्षा दे रहे 19, अमरिंदर सिंह राजा वाडिंग से 21, परगट सिंह से 17, अरुणा चौधरी, राणा गुरजीत सिंह से 14-14 कर्मचारी वापस लिए गए हैं। वहीं राजकुमार वेरका से 11, भारत भूषण आशू से 16, ब्रहम मोहिंद्रा से 14, संगत सिंह गिलजिया से 15, रणदीप सिंह नाभा से 15, अजैब सिंह भट्टी से 2, राणा केपी सिंह से 13, राजिया सुल्ताना से 4, गुरप्रीत सिंह कांगड से 6, तृप्त राजिंदर बाजवा से 14, सुखविंदर सिंह सकारिया से 14, बिंदरमीत सिंह से 3, सुखपाल सिंह भुल्लर से 4, कुलजीत सिंह नागरा से 2, कुशलदीप सिंह किकी ढिल्लों से 4, हरप्रताप सिंह अजनाला से चार सुरक्षा कर्मचारी वापस ली गई है। बाकी के पूर्व विधायकों, राजनीतिक पार्टियों के पूर्व अध्यक्षों की सुरक्षा में एक से दो पुलिस कर्मचारी तैनात थे। एडीजीपी सुरक्षा की ओर से संबंधी आदेशों की प्रतियां स्पेशल डीजीपी स्टेट आर्म्ड पुलिस, कमांडेट जनरल पंजाब होम गार्ड एडं डायरेक्ट सिविल डिफेंस पंजाब, एडीजीपी एसपीयू, एसओजी, सीडीओ, सभी रेंजों के आइजीपी को भेजी गई हैं। इन आदेशों पर तत्काल प्रभाव से काम करने को कहा गया है।

6 करोड़ कर्मचारियों को बड़ा झटका, पीएफ में 40 साल में सबसे कम ब्याज

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के 6 करोड़ कर्मचारियों को बड़ा झटका लगा है। ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने पीएफ खाते पर मिलने वाला ब्याज घटा दिया है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 8.1 प्रतिशत ब्याज देने का फैसला किया गया है। हालांकि फैसले पर अभी वित्त मंत्रालय की मुहर लगाना बाकी है। कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए उनकी सैलरी का एक निश्चित हिस्सा (12प्रतिशत) पीएफ खाते में जमा किया जाता है। इतनी ही राशि उसके एम्प्लॉयर को इस खाते में जमा करनी होती है। हालांकि एम्प्लॉयर के अंशदान का एक हिस्सा कर्मचारी के पेंशन फंड में जाता है। ईपीएफओ इस पूरे फंड का प्रबंधन करता है और हर साल इस राशि पर ब्याज देता है। वित्त वर्ष 1977-78 में ईपीएफओ ने लोगों को पीएफ जमा पर 8 प्रतिशत ब्याज दिया था। तब से ये लगातार इससे ऊपर बना रहा है और अब 40 साल में मिलने वाला सबसे कम ब्याज है। खबर के मुताबिक वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21 में ईपीएफओ ने पीएफ जमा पर 8.5 प्रतिशत का ब्याज दिया था। इससे पहले 2018-19 में ये 8.65 प्रतिशत, 2017-18 में 8.55 प्रतिशत, 2016-17 में 8.65 प्रतिशत और 2015-16 में 8.8 प्रतिशत था। जबकि इससे पहले 2014-15 और 2013-14 में ये 8.75 प्रतिशत था। ये इससे पहले के वित्त वर्ष 2012-13 के 8.5 प्रतिशत और 2011-12 के 8.25 प्रतिशत के ब्याज से ज्यादा था।

मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडे से सीबीआई ने की 6 घंटे पूछताछ

मुंबई, । शनिवार को मुंबई पुलिस के नव नियुक्त पुलिस कमिश्नर संजय पांडे की केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख मामले में 6 घंटे तक पूछताछ की है. दरअसल पांडे के खिलाफ एक शिकायत को लेकर पूछताछ की गई है. अपनी शिकायत में पांडे पर आरोप है कि इन्होंने अनिल देशमुख मामले में तत्कालीन मुंबई पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को फोन करके मामले को प्रभावित करने की कोशिश की थी. ज्ञात हो कि मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह का जब होमगार्ड विभाग में ट्रांसफर कर दिया गया था तब उन्होंने पिछले साल मार्च में अनिल देशमुख के खिलाफ मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखा था. इस पत्र के कारण ही देशमुख को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था. इस पत्र के बाद ही महाराष्ट्र में परमबीर सिंह के खिलाफ कई मामले दर्ज कर उनसे पूछताछ शुरू की गई थी. उसके बाद उस समय के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) संजय पांडेय जो की फिलहाल मुंबई पुलिस कमिश्नर हैं उन्होंने सिंह को फोन कर कहा था कि वह अपना पत्र वापस ले लें और अगर वह ऐसा नहीं करते है और सिस्टम से लड़ते रहें और इससे उनके खिलाफ और मामले दर्ज हो सकते हैं. परमबीर सिंह ने इस बातचीत को रिकॉर्ड किया था ।

कांग्रेस के 387 और बसपा के 290 उम्मीदवारों की जमानत जब्त

दीदी और बहनजी का यूपी चुनाव का रिपोर्ट कार्ड

लखनऊ ।

उत्तरप्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा के चुनावी नतीजे आ चुके हैं। प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से 255 सीटें अपने नाम कर बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनी हैं, जबकि उसकी सहयोही अपना दल (एस) को 12 सीटें मिली है। सपा को 111 सीटें हासिल हुई है। वहीं कांग्रेस के खाते में 2 और बसपा को मात्र एक सीट से संतोष करना पड़ा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबी और प्रभावी भूमिका निभाने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का प्रदर्शन 2022 के विधानसभा चुनावों में अभी तक सबसे खराब रहा हैं, कुल 403 सीटों में से उस महज एक सीट मिली है। वहीं देश के सबसे प्रदेश में सरकार बानने वाली कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई कि 387 सीटों पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। कांग्रेस हाल ही में संपन्न हुए यूपी विधानसभा चुनावों में 399 सीटों पर चुनाव लड़ा जिसमें से 387 सीटों पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई। जबकि केवल दो सीटें पार्टी जीतने में कामयाब हुई। लगभग सभी सीटों पर चुनाव लड़कर कांग्रेस को राज्य में कुल वोटों का महज 2.4 फीसदी हासिल किया। रालोद ने केवल 33 सीटों में से 2.9 प्रतिशत वोट प्रतिशत प्राप्त किया। बीजेपी ने 376 सीटों पर चुनाव लड़ा और उसमें से तीन उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। दिलचस्प यह है कि बीजेपी की सहयोगी पार्टी अपना दल (सोनेलाल) की एक भी सीट पर जमानत जब्त नहीं हुई। यह दर्शाता है कि उन्हें केवल उन्हीं सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका दिया गया, जिनमें उन्हें कम से कम लड़ने का मौका मिला था। था।उसने 27 सीटों पर चुनाव लड़ा था। अन्य प्रमुख दलों में, बसपा ने सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़कर 290 सीटों पर अपनी जमानत खो दी। सपा और रालोद के संयुक्त 25 उम्मीदवारों में से 8 ने अपनी जमानत राशि गंवा दी। रालोद की 33 में से तीन सीटों पर जमानत भी चली गई। रालोद की 33 में से तीन सीटों पर जमानत भी चली गई। बता दें कि उम्मीदवार जो एक निर्वाचन क्षेत्र में डाले गए कुल वैध मतों का कम से सभी ने बताया, यूपी में 4,442 प्रतियोगियों में से, 3,522 या लगभग 80 प्रतिशत अपनी सुरक्षा जमा राशि वापस पाने में विफल रहे।

नशे में बीजद विधायक ने लोगों पर चढ़ा दी गाड़ी, लोगों ने कर दी जमकर धुनाई

भुवनेश्वर ।

ओडिशा के खुर्दा में बीजू जनता दल (बीजद) के निलंबित विधायक प्रशांत जगदेव ने बाणपुर ब्लाक कार्यालय में मौजूद लोगों पर अपनी कार चढ़ा दी। घटना में 22 से अधिक लोग घायल हुए हैं, इसमें बाणपुर के थाना प्रभारी सहित सात पुलिस कर्मचारी भी शामिल हैं। इसके बाद गुस्साए लोगों ने जगदेव की जमकर धुनाई कर कार आग के हवाले कर दिया है। घटना के बाद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण होने से मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। बाणपुर ब्लाक कार्यालय परिसर में शनिवार को ब्लाक अध्यक्ष का चुनाव चल रहा था। इसकारण ब्लाक के बाहर पांच सौ से सात सौ लोग एकत्र थे। मौके पर दो प्लाटुन पुलिस बल भी तैनात की गई थी। तभी अचानक प्रशांत जगदेव अपनी एसयूवी कार को चलाते हुए वहां पहुंचे और तेज गति से कार को भीड़ पर चढ़ा दिया। कार के नीचे आकर विभिन्न पार्टी के 15 से अधिक समर्थक तथा सात पुलिस कर्मचारी घायल हो गए हैं। इसके बाद गुस्साए लोगों ने जगदेव को कार से खींचकर जमकर धुनाई कर दी। लोगों की पिटाई से जगदेव बुरी तरह से घायल हो गए हैं। उन्हें पहले टांगी मेडिकल ले जाया गया, जहां पर प्राथमिक इलाज के बाद बेहोशी की हालत में उन्हें भुवनेश्वर भेज दिया गया है। प्रत्यक्ष दर्शकों का बीजद ने भी घटना की कड़े वहीं भाजपा विधायक तथा वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि जगदेव शराब पीकर गाड़ी चला रहे थे।, लोगों पर अपना गुस्सा निकालने के लिए उनके ऊपर गाड़ी चढ़ा दी है।

रूस-यूक्रेन की जंग में मोहरा बना अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन

मास्को ।

रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग में अब अंतरिक्ष स्टे पेस स्टे टेशन पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। रूस लगातार अपने ऊपर लगे कड़े प्रतिबंधों को लेकर न सिर्फ आगाह कर रहा है, बल्कि रुस अब धमकी तक देने लगा है। रूस इस जंग को जीतने और पश्चिमी देशों सहित अमेरिका पर दबाव बनाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। इसी कड़ी में रुस ने धमकी दी है कि उसके खिलाफ लगे पश्चिमी देशों और अमेरिकी प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय स्टे पेस स्टेशन के दुर्घटनाग्रस्त होने का कारण बन सकते हैं। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख ने चेतावनी दी, दंडात्मक उपायों को उठने का आह्वान किया है। बता दें कि जब से रूस और यूक्रेन के बीच जंग शुरू हुई है, तभी से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसके पहले रूसी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा था कि आईएसएस इन हालातों में भारत या चीन पर गिर भी सकता है। पश्चे चिमी देशों और अमेरिका के लगातार बढ़ते प्रतिबंधों के बीच रूसी अंतरिक्ष एजेंसी ने रोसे कोमोस ने इसके संकेत दिए हैं, कि वहां आने वाले समय में अपना स्टे पेस स्टे टेशन तक स्टे थापित कर सकता है। हालांकि इस काम में उस कुछ समय जरूर लग जाएगा। इस बीच बताया है कि अंतरिक्ष स्टेशन की ऊंचाई को बढ़ा दिया गया है। बता दें कि अंतर्रिक्ष स्टेशन में रूस की अहम भागीदारी रही है। अमेरिका इसके संचालन में रूस का सहयोग लेता रहा है।

वहीं अमेरिका और रूस समेत दूसरे देशों के अंतरिक्ष यात्री इस स्टेशन का हिस्से सा बनते आए हैं। गौरतलब है कि रूस ने यूक्रेन पर 24 फरवरी को हमला किया था। इसके बाद से लगातार रूस यूक्रेन में बमबारी कर रहा है। बीते कुछ दिनों से रूस ने यूक्रेन के कई शहरों में जबरदस्त हवाई हमले किए हैं। इनमें कई लोगों की मौत हो गई है।

अनिल देशमुख भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई ने मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडे से की पूछताछ

नई दिल्ली ।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के एक मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ अपनी जांच के मामले में शनिवार को मुंबई के पुलिस आयुक्त संजय पांडे को तलब कर पूछताछ की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पांडे पर मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह को देशमुख के खिलाफ अपनी शिकायत वापस लेने के लिए प्रभावित करने का आरोप है और इसी सिलसिले में उनसे करीब छह घंटे तक पूछताछ की गई, वहीं बंबई हाई कोर्ट मामले की सुनवाई कर रहा है। एजेंसी ने देशमुख और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश से संबंधित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा के तहत 'अपने लोक कर्तव्य के गलत और भ्रष्ट निर्वहन के जरिए अनुचित लाभ प्राप्त करने के प्रयास' के आरोप में मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस आयुक्त के पद से हटाए जाने के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे अपने पत्र में परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख ने कथित तौर पर एंटीलिया सुरक्षा उल्लंघन मामले में मुंबई पुलिस के बर्खास्त अधिकारी सचिन वाझे को मुंबई के बार और रेस्तरां से एक महीने में कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही करने के लिए कहा था। सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया पता चला कि मामले में एक संज्ञेय अपराध बनता है, जिसमें महाराष्ट्र के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख और अन्य अज्ञात लोगों ने गलत और भ्रष्ट आचरण के जरिए अनुचित लाभ प्राप्त करने का प्रयास किया है।

अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई नियमावली के अनुसार, आरोपों के समर्थन में प्रथम दृष्टया सामग्री के आधार पर एक नियमित मामले को पूर्ण मामले के रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है या नहीं इसके आकलन करने के लिए प्रारंभिक जांच शुरू की गई है। सीबीआई जांच में पाया गया कि वाझे को 15 साल से अधिक समय तक सेवा से बाहर रहने के बाद पुलिस में बहाल कर दिया गया था। वाझे को बाद में एनआईए ने गिरफ्तार किया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि वाझे को मुंबई पुलिस के अधिकांश सनसनीखेज और महत्वपूर्ण मामले सौंपे गए थे और तत्कालीन गृह मंत्री देशमुख को इस तथ्य की जानकारी थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि देशमुख 'और अन्य' ने अधिकारियों के स्थानांतरण और तैनाती को अनुचित तरीके से प्रभावित किया और इस तरह उन्होंने अपने आधिकारिक कर्तव्यों का अनुचित प्रदर्शन किया।

आठ दिन पहले दोस्त के घर आये विदिशा के युवक की सदिंग्ध हालत मे मौत

भोपाल । राजधानी के गोविंदपुरा थाना इलाके मे स्थित झुग्गी बस्ती मे रहने वाले युवक के घर रह रहे विदिशा के युवक की सदिंग्ध हालत मे मौत हो जाने का मामला सामने आया है। मृतक युवक मजदूरी करता था, जो काम की तलाश मे आठ दिन पहले भोपाल आकर दोस्त के घर मे ही रह रहा था। बताया गया है कि हादसे के समय मृतक घर मे अकेला था, उसका दोस्त ओर परिवार के अन्य लोग काम के चलते घर से बाहर गये थे। मृतक को शराब पीने की लत थी। बाद मे परिवार वालो के घर आने पर उसकी मौत की सूचना पुलिस को मिली, पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मूल रुप से विदिशा का रहने वाला 35 वर्षीय विनायक पांडे मजदूरी करता था, बीते दिनो वो काम की तलाश में भोपाल आया था। थाना इलाके मे लगने वाले गोविंदपुरा साप्ताहिक मार्किट के पास रहने वाला नरेंद्र सिंह निवासी से विनायक की पहले से दोस्ती थी, जिकसे कारण वो उसके घर मे ही रह रहा था। नरेंद्र के साथ ही उसका एक भाई और मां भी रहती हैं। नरेंद्र ने पुलिस को बताया कि गुरुवार को वो निजी काम के चलते विदिशा गया हुआ था। वही शुक्रवार की रात को नरेंद्र की मां और भाई भी घर से बाहर गये हुए थे। इसी दौरान घर मे अकेले रह गये विनायक की संदिग्ध हालातों में मौत हो गई। रात करीब 10 बजे नरेंद्र विदिशा से वापस घर लौटा तो उसे विनायक का शव कमरे मे पडा नजर आया। उसने तुरंत ही इसकी सूचना पुलिस को दी। खबर मिलते ही पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरुआती जॉच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि शुरुआती पडताल मे फिलहाल ऐसा कोई सुराग नही मिला है, जिससे किसी अनहोनी की आशंका जताई जा सके। हालांकि जॉच टीम का कहना है कि मृतक की पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

तिब्बतियों ने चीनी अत्याचारों के खिलाफ दुनिया भर में किए विरोध प्रदर्शन

इंटरनेशनल डेस्क।

तिब्बत पर चीनी 'आक्रमण' और भारत की सीमा में उसकी 'घुसपैठ' के खिलाफ दुनिया भर में चीन के खिलाफ तिब्बतियों ने विरोध प्रदर्शन किए। आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इटली, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, अमेरिका व कनाडा सहित कई देशों में तिब्बती प्रवासियों ने तिब्बतियों, उइगर और हांगकांग सहित धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों के उल्लंघन और अत्याचारों को लेकर चीन के खिलाफ विरोध किया है। तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह दिवस की 63 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए तिब्बती समुदाय के सैकड़ों लोग ऑस्ट्रेलिया की राजधानी शहर के सिटी सेंटर में एकत्र हुए। 150 से अधिक तिब्बतियों और तिब्बत समर्थकों ने कैनबरा में विरोध रैली में भाग लिया। दलाई लामा के प्रतिनिधि कर्मा सिंगे ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की दमनकारी नीतियों को दोहराया। ,ष्ट्र तिब्बती समुदाय और ऑस्ट्रेलियाई तिब्बत समुदाय संघ के अध्यक्ष कलसांग त्सेरिंग ने तिब्बत के अंदर चीनी अधिकारियों द्वारा कड़े सुरक्षा उपायों और निगरानी के कारण एक दशक से अधिक समय तक अपने पिता को नहीं देख पाने के अपने व्यक्तिगत अनुभव के बारे में बात की। इसी तरह तिब्बतियों द्वारा लंदन में विभिन्न स्थानों पर चीनी दूतावास सहित एक विरोध प्रदर्शन किया और चीन के तिब्बत पर अवैध कब्जे के खिलाफ आवाज उठाई । इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ÷तिब्बत चीन का हिस्सा नहीं है÷, ÷तिब्बती स्व तंत्रता मांगते हैं÷, ÷चीन ने हमारी जमीन चुराई है÷ के नारे वाली तख्तियां उठा रखी थीं। तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह दिवस को चिह्नित करने के लिए लंदन में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदर्शनकारियों द्वारा टाउन हॉल, ग्रीनविच के वूलविच रॉयल बरो में एक ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। कोलकाता में सेंट्रल तिब्बत ऑर्गेनाइजेशन के हिस्से के तौर पर इंडो-तिब्बतन कोऑर्डिनेशन ऑफिस (आईटीसीओ) के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने तिब्बती और भारतीय झंडे लहराकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के हाथों में दलाई लामा की तस्वीरें भी थीं। एक समय ऐसा था जब यहां पचास साल पहले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष माओ से-तुंग की प्रशंसा जब ल्हासा में 1959 में चीनी हमले के खिलाफ तिब्बतियों के विरोध की वर्षगांठ भी है।

चीन में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित उइगर शिक्षक काट रहा 7 साल कैद की सजा

बीजिंग।

चीन में उइगर मुस्लिमों पर अत्याचार का एक नया मामला उजागर हुआ है। यहां एक उइगर शिक्षक, जिसे पहले सरकार द्वारा उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया था, अब सात साल की कैद की सजा काट रहा है। इस टीचर को चीन के शिनजियांग क्षेत्र में छात्रों को उइगर भाषा में निर्देश देकर चीनी नीति का उल्लंघन करने के लिए यह सजा भुगतनी पड़ रही है। रेडियो फ्री एशिया को पूर्व छात्र अयूप, जो अब नॉर्वे में स्थित एक उइगर कार्यकर्ता और भाषाविद् हैं ने, बताया कि काशगर कोना शेहर काउंटी नंबर 1 हाई स्कूल में आदिल तुर्सुन एक रसायन विज्ञान शिक्षक और संकाय निदेशक थे। उनको 2016 में गिरफ्तार किया गया था और 2018 में सात साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। मीडिया आउटलेट ने बताया कि अप्रैल 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन द्वारा प्रकाशित कुछ 10,000 ÷संदिग्ध आतंकवादियों÷ की लीक हुई चीनी सरकार की सूची में आदिल के कारावास में होने का पता चला । दस्तावेजों के अनुसार आदिल, जिन्हें पहले चीनी सरकार द्वारा देश के उत्कृष्ट शिक्षकों÷ में से एक के रूप में मान्यता दी गई थी, उइगर भाषा में छात्रों को पढ़ाने के अपराध के लिए अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था । दरअसल ये छात्र चीनी में निर्देशों को नहीं समझते थे और आदिल उन्हें उइगर भाषा में पढ़ाते थे। जब आरएफए ने आदिल की सजा के बारे में पता लगाने के लिए कोना शेहर काउंटी पुलिस को फोन किया, तो उन्होंने सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया कि शिक्षक को जेल हो गई है। मीडिया आउटलेट ने काशगर प्रान्त में एक पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा, उनकी गलती की जांच के बाद, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा, आदिल को पुलिस विभाग की राष्ट्रीय सुरक्षा शाखा को सौंप दिया गया और गिरफ्तारी के दो साल बाद उन्हें जेल की सजा सुनाई गई।

तालिबान मंत्री का खुलासा: अफगानिस्तान में नाबालिगों - महिलाओं सहित 50 लाख से अधिक नशेड़ी

इंटरनेशनल डेस्क।

अंतर्राष्ट्रीय बचाव समिति (ढ्ढक्रष्ट) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बैठक में उपप्रधान मंत्री अब्दुल सलाम हनफी ने अफगानिस्तान में नशों को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। हनफी ने बैठक में बताया कि अफगानिस्तान में दस लाख से अधिक नाबालिगों और महिलाओं सहित 50 लाख नशेड़ी हैं । खामा प्रेस ने बताया कि इस दौरान अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात (ढ्ढश्व) के प्रवक्ता इनामुल्ला समांगानी ने कहा, यदि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय अफगान किसानों को अपना विकल्प प्रदान करने में सहायता करता है, तो ढ्ढश्व पूरे अफगानिस्तान में नशीले पदार्थों को खत्म करने के प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बीच, अफगानिस्तान में के प्रमुख विकी एकेन ने कहा कि वंचित क्षेत्रों की प्राथमिकता है और इस संबंध में वास्तविक अधिकारियों को एक सुझाव दिया गया है। इसके अलावा समिति के उप निदेशक ज़हरा वरदक ने कहा द्मद्घ समिति न केवल अफगान महिलाओं और बच्चों के लिए बल्कि अफगान महिलाओं की वित्तीय आत्मनिर्भरता के लिए भी काम करने में रुचि रखती है ।

अमेरिका ने उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण के बादलगाए और प्रतिबंध

इंटरनेशनल डेस्क।

उत्तर कोरिया द्वारा अंतर महाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण के तहत किए गए दो परीक्षणों के बाद अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को और प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। वित्त मंत्रालय ने चार मार्च को किए गए बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण को रेखांकित करते हुए तीन रूसी संस्थानों को इसमें मदद करने के आरोप में प्रतिबंधित करने की घोषणा की। ये कंपनिया हैं- एपोलॉन, जील-एम और आरके ब्रिज। इन कंपनियों से जुड़े दो लोगों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इन प्रतिबंधों के चलते ये कंपनिया अमेरिका में अपनी संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी वहीं, एपोलॉन के निदेशक एलेक्सजेंडर एंड्रीविच गेयेनोव और जील-एम के निदेशक एलेक्सजेंडर एलेक्संद्रोविच चासोवनिकोव को भी इन पाबंदियों के दायरे में लाया गया है।

वहीं, एक अलग बयान में दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसे संकेत मिले हैं कि उत्तर कोरिया परमाणु परीक्षण स्थल की पुरानी सुरंगों की मरम्मत कर रहा है। इन सुरंगों को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के बीच 2018 में पहली बार बातचीत होने के कई माह पहले ध्वस्त कर दिया गया था। हालांकि, मंत्रालय ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उत्तर कोरिया इन सुरंगों की मरम्मत परमाणु परीक्षण के लिए कर रहा है या नहीं।

अमेरिका में पाकिस्तान को आतंकवाद का आका घोषित करने की तैयारी, अमेरिका ससद में विधेयक पेश

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने प्रतिनिधि सभा में विधेयक पेश कर पाकिस्तान को आतंकवाद को प्रायोजित करने वाला देश घोषित करने की मांग की है। शुक्रवार को मीडिया में आईं खबरों में यह जानकारी दी गई है। पाकिस्तान के समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार पेन्सिलवेनिया से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद स्कॉट पैरी ने पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों पर लगाम विधेयक पेश किया है, जिसे अब अमेरिकी सदन की विदेश मामलों से संबंधित समिति के पास भेजा गया है। खबर में कहा गया है कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता है तो पाकिस्तान पर कई पाबंदियां लगाई जा सकती हैं, जिसमें विदेशी सहायता पर रोक, रक्षा आयात पर प्रतिबंध और दोहरे उपयोग की वस्तुओं के निर्यात पर नियंत्रण शामिल है। विधेयक के अनुसार अधिनियम लागू होने के बाद पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को समर्थन देने वाला देश माना जाएगा। अब तक केवल चार देशों को आतंकवाद को प्रायोजित करने वाला देश घोषित किया गया है। इनमें क्यूबा, उत्तर कोरिया, ईरान और सीरिया शामिल हैं।

गेब्रियल बोरिक बने चिली के सबसे युवा राष्ट्रपति

इंटरनेशनल डेस्क।

वामपंथी झुकाव वाले पूर्व छात्र नेता गेब्रियल बोरिक ने शुक्रवार को चिली के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। बोरिक ने अपेक्षाकृत विविधतापूर्ण अर्थव्यवस्था होने के बावजूद हाल के वर्षों में असमानता को लेकर बार-बार बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों को झेलने वाले चिली में राजनीतिक और आर्थिक सुधार का संकल्प जताया। दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र के इतिहास में बोरिक (36) सबसे कम उम्र के राष्ट्रपति हैं। सीनेट के सोशलिस्ट पार्टी के नेता अलवारो एलिजाल्डे ने बंदरगाह शहर वालपराइसो में संसद भवन में समारोह के दौरान बोरिक के कंधों पर राष्ट्रपति का प्रतीक चिह्न पहनाया। इसके तुरंत बाद, बोरिक ने अपने कैबिनेट नेता के तौर पर शपथ ली। बोरिक की कैबिनेट में 14 महिलाएं और 10 पुरुष शामिल हैं। दिसंबर में हुए चुनाव में रूढ़िवादी जोस एंटोनियो कास्ट के खिलाफ बोरिक को 56 प्रतिशत वोट मिले। वह केवल चार साल के थे जब 17 साल की सैन्य तानाशाही के बाद देश में लोकतंत्र बहाल हुआ था, जिसने आधुनिक चिली के लिए आधार तैयार किया। बोरिक ने संकल्प जताया है कि उनकी युवा, समावेशी सरकार 1973 से 1990 तक जनरल अगस्टो पिनोशे के शासन के दौरान लागू मुक्त बाजार मॉडल से उपजी गरीबी और असमानता को दूर करेगी। उनका चार साल का कार्यकाल ऐसे समय में शुरू हो रहा है जब संविधान सभा देश के लिए पिनोशे के शासन में अपनाए गए संविधान को बदलने के लिए एक नया संविधान तैयार कर रही है। उन्होंने हाल में कहा, ''हमें कदम दर कदम बदलाव करना होगा क्योंकि अगर ऐसा नहीं हुआ तो पीछे हटने का जोखिम बहुत अधिक है। चिली को लंबे समय से लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी आर्थिक सफलता वाले देशों में से एक के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन पिछले एक दशक में इसे बार-बार कई बड़े विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ा है, जिनमें बेहतर शिक्षा, पेंशन और स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ धन के अधिक समतावादी वितरण की मांग को लेकर कुछ आंदोलन बोरिक के नेतृत्व में हुए हैं।

पाकिस्तानी संसद में घुसी पुलिस; कई विपक्षी नेताओं सहित 19 गिरफ्तार, मचा हंगामा

पेशावर।

पाकिस्तान में राजनीतिक हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में पाकिस्तानी संसद में उस समय हंगामा मच गया जब एक ऑपरेशन के तहत इस्लामाबाद पुलिस संसद में जा घुसी और जेयूआई-एफ एमएनए सलाहुद्दीन अयूबी और मौलाना जमाल-उद-दीन सहित 19 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दावा किया कि उन्होंने संसद परिसर में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के वर्दीधारी स्वयंसेवी बल अंसारुल इस्लाम के सदस्यों की घुसपैठ के बाद यह कार्रवाई की। इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक मुहम्मद अहसान यूनुस ने संसद के अंदर इस कार्रवाई का बचाव किया है। इस ऑपरेशन का नेतृत्व खुद इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक ने किया। बता दें कि पाकिस्तान में इमरान खान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आने के बाद से राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ी हुई हैं। गुरुवार को मौलाना फजल-उर-रहमान की पार्टी के एक सांसद की गिरफ्तारी के बाद विपक्ष ने सरकार के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गृह मंत्री शेख राशिद ने आरोप लगाया कि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम ने जान बूझकर संसद परिसर में अंसारुल इस्लाम के सदस्यों की घुसपैठ करवाई थी। उन्होंने कहा कि ये लोग परिसर के अंदर छिपे हुए थे। हम चाहते थे कि मामले को शांति से सुलझाया जाए, लेकिन उन्होंने पुलिस अधिकारियों को पीटा और बंद कर दिया। शेख रशीद ने कहा कि हम इन जैसे दूसरे शरारती तत्वों को संसद में प्रवेश करने से रोकने की भी कोशिश कर रहे हैं। वहीं, पाकिस्तान में बढ़ते राजनीतिक संकट के बीच सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने बृहस्पतिवार को इस विचार को खारिज किया कि देश की सेना विपक्ष का समर्थन कर रही है। चौधरी ने दावा किया कि सशस्त्र बल पाकिस्तान की इमरान खान सरकार के साथ खड़े हैं। चौधरी ने मीडिया से यह बात कही। उनका यह बयान खान को पद से हटाने के लिए नेशनल असेंबली में विपक्षी दलों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने के कुछ दिन बाद आया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के 73 साल के इतिहास में आधे से ज्यादा समय तक देश पर शासन करने वाली सेना सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में काफी हावी रही है। खान गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं और यदि गठबंधन में शामिल कुछ दल उन्हें हटाने का फैसले करते हैं ।

तो उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ सकती है। पाकिस्तान के संसदीय लोकतंत्र में यह असामान्य बात नहीं है।

युद्धग्रस्त सुमी से सुरक्षित अपने वतन पहुंचे 242 भारतीय नागरिक, खुशी से छलक पड़े आंसू

इंटरनेशनल डेस्क। यूक्रेन के पूर्वोत्तर क्षेत्र सुमी में फंसे भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी हो गई है। ऑपरेशन गंगा के तहत 242 भारतीय नागरिकों को लेकर एक स्पेशल फ्लाइट पोलैंड से नई दिल्ली पहुंची। इन लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी और यूक्रेनी राष्ट्रपति को फोन तक लगाया था, ताकि उन पर कोई हमला न हो। एक छात्रा ने कहा-हम वापस अपने देश आकर बहुत खुश हैं, वहां की हालत अभी खराब है। हम भारत सरकार को धन्यवाद करते हैं क्योंकि उन्होंने हमारे बारे में सोचा और बिना मांगे इतना कुछ किया। इससे पहले युद्धग्रस्त सुमी से 600 भारतीय छात्रों और अन्य नागरिकों को लीव से पोलैंड तक एक विशेष ट्रेन के जरिये पहुंचाया गया था। पोलैंड से तीन विशेष उड़ानें के जरिये इन्हें भारत के लिए रवाना किया गया। एक छात्र अनशाद अली के मुताबिक, इंटरनेशल कमिटी ऑफ रेड क्रॉस की मदद से भारतीय नागरिकों को 13 बसों के काफिले में सूमी से ले जाया गया था। रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच यूक्रेन के पूर्वोत्तर क्षेत्र सुमी में फंसे भारतीय छात्रों की सुरक्षित निकासी इतनी आसान नहीं थी, जितनी दिख रही है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अच्छे से वाकिफ थे। जितनी दिख रही है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अच्छे से वाकिफ थे। इसलिए उन्होंने रूसी और यूक्रेनी राष्ट्रपति को फोन लगाया, ताकि उन पर हमला न हो। हालांकि अब इन छात्रों को सुरक्षित कॉरिडोर खुलने के बाद निकाल लिया गया है। ये छात्र यहां 13 दिनों से फंसे हुए थे।

भारत को चीन से लगते एलएसी के लिए जरूरी साजो सामान से सहयोग जारी रखेगा अमेरिका: शीर्ष अमेरिकी एडमिरल

वाशिंगटन।

अमेरिका के एक शीर्ष एडमिरल ने अमेरिकी सांसदों से कहा है कि अमेरिका और भारत एक ''जबरदस्त साझेदार'' हैं और देश भारत को चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के लिए जरूरी साजो सामान और अन्य चीजों से सहयोग करना जारी रखेगा। अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल जॉन एक्विलिनो ने इस सप्ताह 'सीनेट आर्मड सर्विसेज कमेटी आन मिलिट्री पोस्चर' के समक्ष कहा कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंध संभवत~ शीर्ष बिंदु पर हैं। वह सीनेटर गैरी पीटर्स के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। पीटर्स ने सवाल किया था, ''एडमिरल, आपके लिए मेरा प्रश्न है कि क्या आप हमारे भारतीय समकक्षों के साथ अपने संबंधों के बारे में बात कर सकते हैं और हम दोनों देशों के बीच अपने सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए और क्या कर सकते हैं?'' इसके जवाब में एडमिरल एक्विलिनो ने कहा, ''सीनेटर, मुझे कोई चिंता नहीं है। भारत में हमारे सहयोगी जबरदस्त साझेदार हैं, दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंध शायद अपने उच्चतम बिंदु पर है। हम एकसाथ और अधिक करना जारी रखे हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि जब आप जबरदस्त साझेदारी के बारे में बात करते हैं, तो यह मौजूद है। हम और क्या कर सकते हैं? जानकारी साझा करना जारी रखें, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उन्हें आवश्यक उपकरणों के साथ उनका समर्थन करना जारी रखें और पूरे क्षेत्र में एकसाथ भागीदारी और संचालन जारी रखें।'' उनकी यह टिप्पणी इसके मद्देनजर महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और चीन ने शुक्रवार को पूर्वी लद्दाख में कुछ शेष टकराव वाले बिंदुओं पर 22 महीने के लंबे गतिरोध के समाधान के लिए उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता का एक और दौर आयोजित किया। पैंगोंग झील क्षेत्रों में हिंसक झड़प के बाद 5 मई, 2020 को भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध शुरू हो गया। सीनेट की समिति के समक्ष एडमिरल एक्विलिनो ने अमेरिका और भारत के बीच सैन्य अभ्यास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और भारत के साथ मालाबार अभ्यास महत्वपूर्ण है। भारतीयों के साथ 'मिनी लेटरल' और बहुपक्षीय जुड़ाव बढ़ाया और अंततः उन्हें उपकरण बेचना जारी रखा ताकि हम सैन्य क्षेत्र में एक साथ अधिक अंतःक्रियाशील और अधिक प्रभावी हो सकें।'' हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिये सहायक रक्षा सचिव एली रैटनर ने बुधवार को हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर कांग्रेस की बैठक के दौरान सदन की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों कि अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में अविश्वसनीय प्रवाह है।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सीनेट ने यूक्रेन को मदद देने के प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी दी

वाशिंगटन । अमेरिकी कांग्रेस ने युद्धग्रस्त यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों को 13.6 अरब डॉलर की सैन्य व मानवीय आपात मदद प्रदान करने को मंजूरी दे दी है। यूक्रे पर रूस के आक्रमण में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 20 लाख से अधिक लोगों को देश छोड़कर भागना पड़ा है। सीनेट ने बृहस्पतिवार देर रात कुल 1.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के प्रस्ताव को मंजूरी दी। प्रस्ताव के पक्ष में 68 जबकि विरोध में 31 वोट पड़े। सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने मतदान से कुछ देर पहले कहा, हम यूक्रेन के लोगों से वादा करते हैं कि उन्हें पुतिन के खिलाफ लड़ाई में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। और थोड़ी ही देर में जब हम इस प्रस्ताव को पारित कर देंगे, तो यह वादा पूरा हो जाएगा। सदन ने बुधवार को आसानी से विधेयक को पारित कर दिया था, लेकिन इसे बृहस्पतिवार दे रात अंतिम मंजूरी दी गई। इसपर राष्ट्रपति जो बाइडन के हस्ताक्षर होने हैं।

पाक न्यायालय ने अध्यादेशों को लेकर इमरान खान सरकार को फटकार लगाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी उच्चतम न्यायालय ने अत्यधिक संख्या में अध्यादेश जारी करने को लेकर एक ऐतिहासिक फैसले में प्रधानमंत्री इमरान खान नीत सरकार को फटकार लगाते हुए कहा है कि अध्यादेश सिर्फ तत्काल जरूरी विषयों पर लागू किया जा सकता है। शीर्ष न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रपति या गवर्नर संवैधानिक जरूरतें होने पर ही अध्यादेश जारी कर सकते हैं। न्यायालय ने कहा कि अध्यादेश सिर्फ आपातकालीन विषयों में ही जारी किया जा सकता है। न्यायालय ने सरकार चलाने के लिए अत्यधिक संख्या में अध्यादेश जारी किये जाने के खिलाफ फैसला सुनाया। उच्चतम न्यायालय की पीठ द्वारा 30 पन्नों का यह ऐतिहासिक फैसला, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय को जुलाई 2021 में यह कहे जाने के बाद आया है कि (प्रधानमंत्री खान की पार्टी) पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ सरकार ने जुलाई 2018 में सत्ता में आने के बाद से कम से कम 54 अध्यादेश जारी किये हैं। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, प्रांतीय अदालत से कहा गया था कि कुछ अध्यादेश तो संघीय सरकार के दैनिक कामकाज को संचालित करने के लिए जारी किये गये।

अमेरिका का आरोप- रूस ने 'दुष्प्रचार के लिए किया संयुक्त राष्ट्र परिषद का इस्तेमाल

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका ने रूस पर यूक्रेन में रासायनिक या जैविक हथियारों के सभांवित उपयोग के लिए मिथ्या एवं भ्रामक अभियान के तहत ''झूठ बोलने और गलत सूचना फैलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक का उपयोग करने का आरोप लगाया। अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने शुक्रवार को कहा कि रूस पिछले महीने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा परिषद में रखे गए एक परिदृश्य को खारिज कर रहा था कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ''यूक्रेन के खिलाफ अपने हिंसक हमलों को सही ठहराने के लिए रासायनिक या जैविक हथियारों के आरोपों को गढ़ेंगे। अमेरिका ने 24 फरवरी से शुरू हुए आक्रमण के साथ ऐसे रूसी अभियानों के बारे में चेतावनी दी है। रूस ने यूक्रेन में अमेरिका द्वारा ''जैविक गतिविधियों को अंजाम देने के अपने आरोपों के समर्थन में बैठक का अनुरोध किया था। रूस ने बिना किसी सबूत के ये आरोप लगाए थे जिससे अमेरिका और यूक्रेन दोनों ने इनकार किया था। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वसीली नेबेंजिया ने कहा कि ''उसके रक्षा मंत्रालय के पास इन आरोपों के समर्थन में दस्तावेज हैं कि यूक्रेन में कम से कम 30 जैविक प्रयोगशालाएं हैं जिनमें बहुत खतरनाक जैविक प्रयोग किए जाते हैं।

अमेरिका ने रूस को विदेशी कंपनियों की संपत्ति जब्त करने के खिलाफ चेताया

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने रूस को अमेरिका सहित अन्य देशों की उन कंपनियों की संपत्ति जब्त करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाने की चेतावनी दी है, जिन्होंने यूक्रेन पर आक्रमण के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के फैसले के विरोध में या तो रूस छोड़ने का फैसला किया है या फिर देश में अपना परिचालन निलंबित कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने बृहस्पतिवार को ट्विटर पर लिखा, इस तरह का कदम 1917 की याद दिलाएगा और रूस को दशकों तक निवेशकों का अविश्वास झेलना होगा। यही नहीं, रूस को उन कंपनियों के कानूनी दावों का भी सामना करना पड़ सकता है, जिनकी संपत्ति जब्त की जाएगी । साकी रूसी और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में प्रकाशित उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रही थीं, जिनमें कहा गया है कि रूस देश छोड़कर जाने वाली प्रमुख उन्होंने कहा कि अमेरिका उन कंपनियों के साथ खड़ा है, जो यूक्रेन में युद्ध के संदर्भ में रूस में अपने परिचालन को लेकर कठोर फैसले ले रही हैं। यूक्रेन में रूस के संघर्ष-विराम के और मध्य में स्थित सात शहरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है।

सुविचार वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है। - तुलसीदास

संपादकीय

बुनियादी जरूरतें

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में न केवल अपने बुनियादी आधार को मजबूत किया है, वह जनता की नजर में सबसे प्रासंगिक पार्टी भी साबित हुई है। लोग उसे सत्ता में रखते हुए काम लेते रहना चाहते हैं। पार्टी ही नहीं, विश्लेषकों को भी लग रहा था कि युवाओं या बेरोजगार मतदाताओं का मोहभंग हुआ है, लेकिन यह मोहभंग इतना भी नहीं था कि सत्ता परिवर्तन हो जाए। इसका मतलब, रोजगार के मोर्चे पर उत्तर प्रदेश की सरकार ने जो प्रयास किए हैं, उसके मद्देनजर युवाओं को आगे के लिए उम्मीदें हैं। साल 2021 के अंत तक रोजगार करने वालों की आबादी 32.79 प्रतिशत हो गई। इसमें एक बड़ा कारण महामारी और लॉकडाउन है। निश्चित रूप से रोजगार के मोर्चे पर राज्य सरकार ने अपनी ओर से प्रयास किए हैं, इसलिए लोगों का उस पर विश्वास कायम रहा है। पर जीत की खुशी में यह भ्रम किसी को नहीं होना चाहिए कि अब बेरोजगारी मुद्दा नहीं है। ऐसे युवाओं की विशाल आबादी है, जो मुश्किल समय में मिले रोजगार का महत्व जानती है। ठीक इसी तरह का मुद्दा है कृषि विकास और सुधार। किसान आंदोलन का असर नहीं के बराबर रहा है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सरकार किसानों से किए गए वादों को भुलाकर भविष्य में कोई नुकसान झेले। कृषि क्षेत्र अभी भी हमारी अर्थव्यवस्था का एक बेहद महत्वपूर्ण आधार है। किसानों को उपज की उचित कीमत देने और आवारा पशुओं की समस्या सरकार के संज्ञान में रहनी चाहिए। सरकार के सामने तीसरी चुनौती शिक्षा के मोर्चे पर है, उत्तर प्रदेश में अच्छे शिक्षण संस्थानों की जरूरत है, ताकि किसी भी छात्र को प्रदेश के बाहर पढ़ने न जाना पड़े। आबादी को कुशल बनाने की जरूरत है, ताकि उसे रोजगार या उद्यम में सुविधा हो। बीस प्रतिशत से ज्यादा आबादी अभी भी निरक्षर है, तो आजादी के अमृत वर्ष में उत्तर प्रदेश को भी जल्द से जल्द पूर्ण साक्षर बनाने का संकल्प लेना चाहिए। बजट बढ़ाकर प्राथमिक स्तर से उच्च शिक्षा तक शैक्षणिक ढांचे को ऐसा चाक-चौबंद करना चाहिए कि प्रदेश विकसित राज्यों की श्रेणी में आ खड़ा हो। अच्छी चिकित्सा-व्यवस्था भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। महामारी के समय युद्ध स्तर पर अचानक कुछ सुधार हुए हैं, मगर उत्तर प्रदेश समग्रता में चिकित्सा सेवा में पीछे है। नीति आयोग के अनुसार, चिकित्सा सेवा के मामले में बड़े राज्यों के बीच उत्तर प्रदेश निचले पायदानों पर है। प्रदेश को देश के श्रेष्ठ 10 चिकित्सा सुविधा वाले प्रदेशों में लाना प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रदेश सरकार की चौथी प्राथमिकता औद्योगिक विकास होना चाहिए। तमिलनाडु अपेक्षाकृत छोटा राज्य है, लेकिन वहां से लगभग एक तिहाई उद्योग ही उत्तर प्रदेश में लगे हैं। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा बाजार भले हो, लेकिन उद्योग लगाने या चलाने के मामले में तमिलनाडु बहुत आगे है। उत्तर प्रदेश में छोटे-बड़े हर प्रकार के उद्यम या निवेश की जरूरत है। इसके लिए सबसे बढ़कर है जन-भागीदारी। लोग अपनी आवाज खुलकर बुलंद कर रहे हैं। यह मुखरता स्थानीय स्तर पर बुनियादी सुविधाएं मांगने में भी इस्तेमाल होनी चाहिए। तमिलनाडु के लोग आगे बढ़कर सरकारी स्कूलों के लिए शिक्षक मांगते हैं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टरों की नियमित मौजूदगी मांगते हैं, ध्यान रहे, यह काम दिल्ली की स्थानीय सरकार अपने स्तर पर ही करने की कोशिश कर रही है। बेशक, लोग जाति-धर्म से ऊपर उठकर सजग होंगे, तो सरकारें भी तेजी से काम कर सकेंगी।

आज के कार्टून

अहंकार

आचार्य रजनीश ओशो/ तुमने देखा विनम्र आदमी का अहंकार! वह कहता है, मैं आपके पैर की धूल! मगर उसकी आंख में देखना, वह क्या कह रहा है! अगर तुम कहो कि आप बिल्कुल ठीक कह रहे हैं, हमको तो पहले ही से पता था कि आप पैर की धूल हैं, तो वह झगड़ने को खड़ा हो जाएगा। वह यह कह नहीं रहा है कि आप भी इसको मान लो। यह कह रहा है कि आप कहो कि आप जैसा विनम्र आदमी! दर्शन हो गए। बड़ी कृपा! वह कह रहा है कि आप खंडन करो कि 'आप, और पैर की धूल? आप तो स्वर्ण-शिखर हैं! आप तो मंदिर के कलश हैं!' जैसे-जैसे तुम कहोगे ऊंचा, वह कहेगा कि नहीं, मैं बिल्कुल पैर की धूल हूं। लेकिन जब कोई कहे कि मैं पैर की धूल हूं। तुम अगर स्वीकार कर लो कि आप बिल्कुल ठीक कह रहे हैं, सभी ऐसा मानते हैं कि आप बिल्कुल पैर की धूल हैं, तो वह आदमी फिर तुम्हारी तरफ कभी देखेगा भी नहीं। वह विनम्रता नहीं थी-वह नये अहंकार का रंग था; अहंकार ने विनम्रता के वस्त्र ओढ़े थे। मेरे पास कई लोग आ जाते हैं, कहते हैं कि ऐसा कुछ मार्ग दें कि दुनिया में कुछ करके दिखा जाएं। क्या करके दिखाना चाहते हो? वे कहते हैं कि 'नाम रह जाए। हम तो चले जाएंगे, लेकिन नाम रह जाए!' नाम रहने से क्या प्रयोजन? तुम्हारे नाम में और किसी की कोई उत्सुकता नहीं है, सिवाय तुम्हारे। जब तुम्हीं चले गए, कौन फिक्र करता है! कौन फिक्र करता है तुम्हारे नाम की? और नाम बच भी गया तो क्या सार है? किन्हीं किताबों में दबा पड़ा रहेगा, तड़फेगा वहां! सिकंदर का नाम है, नेपोलियन का नाम है-क्या सार है? नहीं, लेकिन हमें बचपन से ये रोग सिखाए गए हैं। बचपन से यह कहा गया है : 'कुछ करके मरना, बिना करे मत मर जाना! अच्छा हो तो अच्छा, नहीं तो बुरा करके मरना, लेकिन नाम छोड़ जाना।' लोग कहते हैं, 'बदनाम हुए तो क्या, कुछ नाम तो होगा ही। अगर ठीक रास्ता न मिले, तो उलटे रास्ते से कुछ करना, लेकिन नाम छोड़ कर जाना!' लोग ऐसे दीवाने हैं कि पहाड़ जाते हैं, तो पत्थर पर नाम खोद आते हैं। पुराना किला देखने जाते हैं, तो दीवालों पर नाम लिख आते हैं। और जो आदमी नाम लिख रहा है, वह यह भी नहीं देखता कि दूसरे नाम पोंछ कर लिख रहा है। तुम्हारा नाम कोई दूसरा पोंछ कर लिख जाएगा। तुम दूसरे का पोंछ कर लिख रहे हो। दूसरों के लिखे हैं, उनके ऊपर तुम अपना लिख रहे हो-और मोटे अक्षरों में; कोई और आ कर उससे मोटे अक्षरों में लिख जाएगा। किस पागलपन में पड़े हो?

चुनावी मुद्दा नहीं बनता नदियों का जीना-मरना

कृष्ण प्रताप सिंह

पहले चुनाव आते थे तो आम लोगों के रोटी, कपड़ा और मकान कहें या उनके जीवन निर्वाह से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चाएं हुआ करती थीं। पार्टियां व प्रत्याशी मतदाताओं को इन मुद्दों से जुड़ा अपना नजरिया व नीतियां समझाते नहीं थकते थे। साथ ही अपीलें करते थे कि मतदाता बूथों पर जायें तो किसी के बहकावे में न आयें और इन मुद्दों के आधार पर ही वोट दें। लेकिन अब चुनाव आते हैं, तो जान-बूझकर ऐसे मुद्दों को हाशिये में डालकर कुछ बहकाने वाले मुद्दों को आगे ला दिया जाता है और सारी बहसें उन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित कर दी जाती हैं। ताकि मतदाताओं की जातियां व धर्म आगे आ जायें और उनके कौआ रोर में किये जाने वाले इमोशनल अत्याचार से वे इतने त्रस्त हो जायें कि 'अपनी जाति' व 'अपने धर्म' से आगे सोच ही न सकें। फिर उन्हीं के आधार पर सरकार चुन लें और फुरसत से पश्चाताप करते रहें। इन विधानसभा चुनावों में इसकी सबसे बड़ी नजीर यह है कि पंजाब में पीने के पानी के जहरीले हो जाने की जटिल होती जा रही समस्या वहां मतदान के दिन तक मुद्दा नहीं बन पाई। यह तब था, जब कभी पांच नदियों के पानी के लिए जाने जाने वाले इस प्रदेश में जहरीला पानी पीने की मजबूरी के शिकार अनेक नागरिक कैंसर से पीड़ित होकर त्रासद मौतों के शिकार हो रहे हैं। जब यह समस्या मुद्दा ही नहीं बन पाई तो इसी पर चर्चा क्यों होती। दरअसल, बीती शताब्दी के सातवें दशक में हरित क्रांति लाने की कोशिशों के दौरान अत्यधिक अनाज उगाने के लिए अपनाई गई कृषि पद्धति रासायनिक उर्वरकों पर कुछ ज्यादा ही निर्भर है। और अब वह अपना विकल्प तलाशे जाने की मांग करती है। इसी तरह मानव जीवन की रेखा कही जाने वाली नदियों से उनका ही जीवन छीन लेने पर आमादा प्रदूषण न सत्तापक्ष के लिए चुनाव का कोई मुद्दा है, न ही विपक्षी दलों के लिए। भले ही नदियां न केवल लोगों की प्यास बुझाती आई हों, बल्कि उनकी आजीविका का माध्यम भी हों। साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र और भूजल के स्तर को बनाए रखने में भी बड़ा योगदान देती हों। एक जानकार के शब्द उधार लें तो आज जो नदियां मैल व गन्दगी ढोने को अभिशापित हैं, वे धरती पर अपने अवतरण के वक्त से ही जीवन बांटती आई हैं। खास तौर पर मनुष्य का जीवन-मरण किस तरह नदियों पर निर्भर है, इसे यों समझ सकते हैं कि मनुष्य के मरणोपरांत उसके शारीरिक अवशेष भी नदियों में बहाए जाते हैं। ऐसे में कायदे से होना तो यह चाहिए था कि लगातार बढ़ते जा रहे प्रदूषण के कारण अस्तित्व के खतरे झेल रही नदियों और उनके बहाने मानव जीवन को पैदा हो रहे अंदेशों पर भरपूर चर्चा होती। इस कारण और कि इंग्लैंड की यॉर्क यूनिवर्सिटी द्वारा दुनिया भर की नदियों में दवाओं के अंशों का पता लगाने के लिए हाल में ही किये गये शोध से खुलासा हुआ है कि अब नदियों के जल के लिए पैरासिटामोल, निकोटिन व कैफीन के अलावा मिर्गी और मधुमेह आदि की वे दवाएं भी खतरा बनती जा रही हैं, जिनके अंश लापरवाही से नदियों के हवाले कर दिये जा रहे हैं। किसी एक देश में नहीं, प्रायः दुनिया भर में। अमेरिका की प्रोसिडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा प्रकाशित की गई इस शोध की रिपोर्ट में इस स्थिति को पर्यावरण के साथ ही मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक बताया गया है। यॉर्क यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अपने इस शोध के लिए 104 देशों में नदियों की शहरों व कस्बों के नजदीक बहने वाली 1,052 साइटों से उनके पानी के नमूने एकत्रित किये और उनमें सक्रिय 61 दवाओं के अंशों (एपीआई) का परीक्षण किया, तो पाया कि दवा निर्माण संयंत्रों से निकले दूषित जल, बिना उपचार के सीवेज के पानी, शुष्क जलवायु और कचरा निपटान के तरीके का नदियों के पानी को प्रदूषित करने में योगदान लगातार बढ़ रहा है। हां, जिन देशों में आधुनिक दवाओं का इस्तेमाल कम होता है या उनके अंशों के अत्याधुनिक दूषित जल उपचार का ढांचा और नदियों में पर्याप्त बहाव है, वहां वे दवा प्रदूषण से अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं। दवाओं से नदी जल प्रदूषण की समस्या इसलिए भी जटिल हो रही है क्योंकि ज्यादातर देशों में दवा उद्योग से निकले प्रदूषित जल के निपटान के कानून बने तो हैं लेकिन उन पर अमल नहीं हो रहा। लेकिन अपने देश के सिलसिले में इसकी बात करें तो हम पाते हैं कि

अभी इसे लेकर न सरकारें ठीक से सजग हैं और न ही लोग इतने जागरूक कि इसे लेकर सरकारों पर दबाव बना सकें। जहां तक राजनीतिक दलों की बात है, जब वे चुनावों के वक्त भी ऐसी समस्याओं को चर्चा के केन्द्र में नहीं लाना चाहते तो उनकी वास्तविक मंशा समझने के लिए और कौन से तथ्यों की जरूरत है? बिना जन दबाव के इन दलों को क्या फर्क पड़ता है अगर कल-कारखानों की निकासी, घरों की गंदगी, खेतों में मिलाये जा रहे रसायन, उर्वरक और भूमि कटाव के साथ दवाओं में प्रयुक्त हो रहे रसायन भी नदी जल को दूषित करने वाले कारकों में शामिल हो जायें। इसे लेकर वोट की चोट के बगैर वे क्योंकर समझने लगे कि नदियां महज जल-मार्ग नहीं हैं, वे बरसात की बूंदों को सहजेती हैं और धरती की नमी बनाये रखती है। जलवायु में हो रहे बदलाव में नदियां ही धरती पर जीवन का आधार हैं और उनमें बहता पानी मनुष्य की सांस की सीमा भी तय करता है। सिविल सोसायटी ने अभी भी इसके लिए सत्तातंत्र पर दबाव नहीं बनाया और सब कुछ राजनीतिक दलों व सरकारों की इच्छा और मंशा पर ही छोड़े रखा, तो कौन कह सकता है कि हालात वैसे ही नहीं होंगे, जैसे गंगा की सफाई के मामले में हुए हैं?

यूपी के लिए उपयोगी साबित हुए योगी

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

कुछ दिन पहले नरेन्द्र मोदी ने योगी को यूपी के लिए उपयोगी बताया था। यह रोचक तुकबंदी थी। उत्तर प्रदेश से उ व प शब्द लिया गया। उसके साथ योगी शब्द जोड़ दिया गया। इस प्रकार उपयोगी शब्द बन गया। यह शब्दों की रोचक संरचना थी। लेकिन इसका निहितार्थ व भाव बहुत व्यापक था। योगी आदित्यनाथ लगातार पांच वर्षों तक बिना रुके, बिना थके सुशासन के मार्ग पर आगे बढ़ते रहे। नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की यह कार्यशैली बिल्कुल समान है। दोनों का समर्पण राष्ट्रधर्म के प्रति है। परिवार व निजी संपत्ति का कोई मोह नहीं है। दशकों के सार्वजनिक जीवन में इन पर कोई आरोप नहीं लगा। भारत की राजनीति में मोदी-योगी बिल्कुल अलग दिखाई देते हैं। दूर-दूर तक इनके जैसा कोई नहीं है। यही कारण है कि इतने वर्षों में विपक्ष इनके प्रभावी विरोध का तरीका समझ नहीं सका। अक्सर विपक्ष के दांव खुद पर भारी पड़ जाते हैं। इसीलिए विपक्ष गुजरात में भी नरेन्द्र मोदी को रोकने में विफल रहा था। इतना ही नहीं तमाम विरोध के बाद भी उन्हें देश का प्रधानमंत्री बनने से रोक नहीं सका। विपक्ष अपने घिसे-पिटे अंदाज में आगे बढ़ता रहा। इसका असर यह हुआ कि मोदी दूसरी बार भी प्रधानमंत्री बन गए। यह इतिहास उत्तर प्रदेश में भी अपने को दोहरा रहा है। यहां भी योगी के विरोध में विपक्ष जमीन आसमान एक करता रहा। लेकिन वह आमजन को अपनी बातों से प्रभावित नहीं कर सका। योगी सरकार को दोबारा जनादेश हासिल हुआ। मतदाताओं के समक्ष किसी निर्णय तक पहुंचने की इस बार बेहतर स्थिति थी। उन्होंने बसपा, सपा और फिर भाजपा की पूर्ण बहुमत सरकारों का कार्यकाल देखा था। इनके पहले मुलायम सिंह के नेतृत्व में सरकार थी। उसमें कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी। उस समय भाजपा नंबर तीन पर हुआ करती थी। प्रदेश की राजनीति में सपा, बसपा का ही मुकाबला चलता था। मुलायम सरकार से मतदाता नाराज हुए तो बसपा को पूरे बहुमत के साथ सत्ता में पहुंचा दिया। लेकिन पांच वर्ष सरकार चलाने के बाद बसपा सरकार घोटालों के आरोपों से बेहाल हो चुकी थी। इधर सपा में अखिलेश यादव को उत्तराधिकार मिल गया। उन्होंने प्रारंभ में कतिपय बाहुबलियों व दबंगों के साथ तालमेल से इनकार कर दिया था। इससे सपा में सुधार का बड़ा सन्देश गया। यह लगा कि सपा अब पहले जैसी नहीं रहेगी। इस आधार पर सपा को बहुमत मिला। लेकिन शपथ ग्रहण समारोह के बाद ही बदलाव की संभावना धूमिल हो गई। सपा-बसपा के इस दौर से आजिज मतदाताओं ने भाजपा को मौका दिया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ। पद संभालने के फौरन बाद योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर ध्यान दिया। उनका कहना था कि यह सुशासन व विकास की पहली शर्त है। जिस प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर नहीं होती, वहां विकास नहीं हो सकता। एंटी रोमियो के साथ शुरू हुई उनकी यात्रा बुलडोजर के माध्यम से आगे बढ़ी। योगी आदित्यनाथ ने पूरी ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वाह किया। इस व्यापक आधार पर उनकी सरकार को जनादेश मिलना ही था। मतदाता पांच वर्ष पहले के राजनीतिक दौर में लौटने को तैयार नहीं थे। उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव परिणाम अप्रत्याशित नहीं है। योगी के नेतृत्व में भाजपा की जीत तय मानी जा रही थी। उसका बड़ा कारण है कि पांच वर्षों में कानून-व्यवस्था व विकास की बेहतर स्थिति रही। पिछली सरकारें मिल कर भी इन पांच वर्षों की उपलब्धियों का मुकाबला नहीं कर सकती। सपा की सीटें दो वादों के कारण बढ़ी है। इनमें तीन सौ यूनिट फ्री बिजली और पुरानी पेंशन बहाली का वादा शामिल है। इसके अलावा सपा के गठन के समय से ही जाति-मजहब का आधार रहा है। उसका भी उसे लाभ मिलता है। दूसरी ओर कानून-व्यवस्था, सांस्कृतिक गौरव व विकास कार्यों को महत्व देने वालों ने भाजपा को समर्थन दिया। मोदी और योगी की सरकार ने राष्ट्रीय गौरव व स्वाभिमान के बेमिसाल कार्य किये हैं। इनके सामने भी विपक्ष की चमक धूमिल हो गई थी। क्योंकि ये पार्टियां परम्परागत रूप में ऐसे विषयों की विरोधी रही हैं। वह इन विषयों को साम्प्रदायिक मानती रही हैं। उन्हें लगता है कि इनका नाम लेने से ही इनकी सेक्युलर छवि कलंकित हो जाएगी। इनका वोटबैंक नाराज हो जाएगा। इसलिए इन्होंने अपने वर्तमान हित पर ध्यान रखा। संवेदनशील समस्याओं को भावी पीढ़ी के लिए छोड़ने में इनको कोई संकोच नहीं रहा। नरेन्द्र मोदी का विचार इसके विपरीत रहा है। वह चुनावी लाभ-हानि के आधार पर बड़े निर्णयों से विमुख नहीं होते हैं। यही कारण है कि असंभव समझे गए कार्य भी इस अवधि में पूरे हुए। अस्थाई अनुच्छेद 370 व 35 ए की समाप्ति हुई। तीन तलाक की कुप्रथा को समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं के साथ न्याय किया गया। पांच सौ वर्षों बाद अयोध्या जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का सपना साकार हो रहा है। ढाई सौ वर्षों बाद भव्य श्री काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण किया गया। इसी तर्ज पर विंध्य पीठ धाम का निर्माण चल रहा है। मतदाता जानते है कि यह असंभव लगने वाले इन कार्यों को मोदी योगी ही सँभव बना सकते थे। उत्तर प्रदेश के इतिहास में विगत पांच वर्ष उपलब्धियों की दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण रहे हैं। करीब पचास योजनाओं में यूपी के नंबर वन का गौरव सामान्य नहीं है। नरेन्द्र मोदी ने स्वयं कहा था कि योगी सरकार की सभी उपलब्धियों को गिनाना संभव नहीं है। क्योंकि इसके लिए बहुत समय की आवश्यकता होगी। उनके अनुसार उत्तर प्रदेश की जनता अब कह रही है- यूपी प्लस योगी, बहुत है उपयोगी। नरेंद्र मोदी ने मंच से इस नारे को कई बार दोहराया था। अपार जनसमूह ने इसका पुरजोर समर्थन किया। कुछ देर तक जनसभा में यह नारा गूंजता रहा। चुनाव परिणाम में भी यह गूंज सुनाई दे रही है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सू-दोकू नवताल -2068

4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9

सू-दोकू -2067 का हल

8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2068

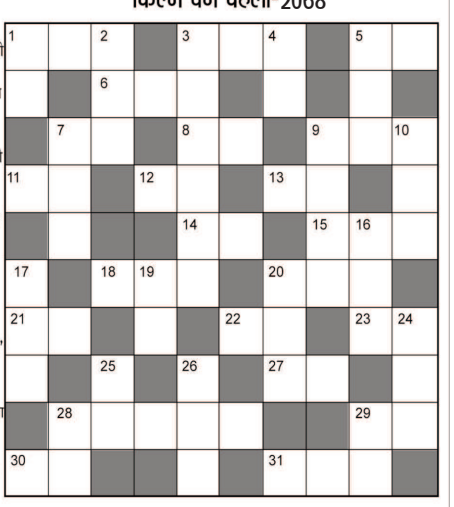

बायें से दायें:-

1. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-3
3. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-3
5. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-2
6. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-3
7. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-2
8. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-2
9. शाहरुख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-2,1
11. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-2
12. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-2
13. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-2
14. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-2
15. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-3
18. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-3
20. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
21. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-2
22. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2
23. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-2
28. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-5
29. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक?-2
30. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-2
31. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

10. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-3
16. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-3
17. गुरुदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-3
19. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-2
20. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-3
24. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-3
25. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-2
26. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-3
28. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-4
29. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2067

स्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह	
र्ज			रा	हु	ल		स	र	ग	म
	वॉ	बी		मा	लि	क			जो	
अ	क्ष		डॉ	न			ज	ग	ली	
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व		
र्म		स		न		बा	जी		का	
	क	री	ना		प		त	ला	श	
स		क		सू	र	ज		वा		
प	ड़ो	स	न		बा		बा	रि	श	
ने		म		गु	ना	ह		स		

1. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-2
2. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-3
3. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-4,2
4. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-2
5. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-3
7. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-3
9. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-4

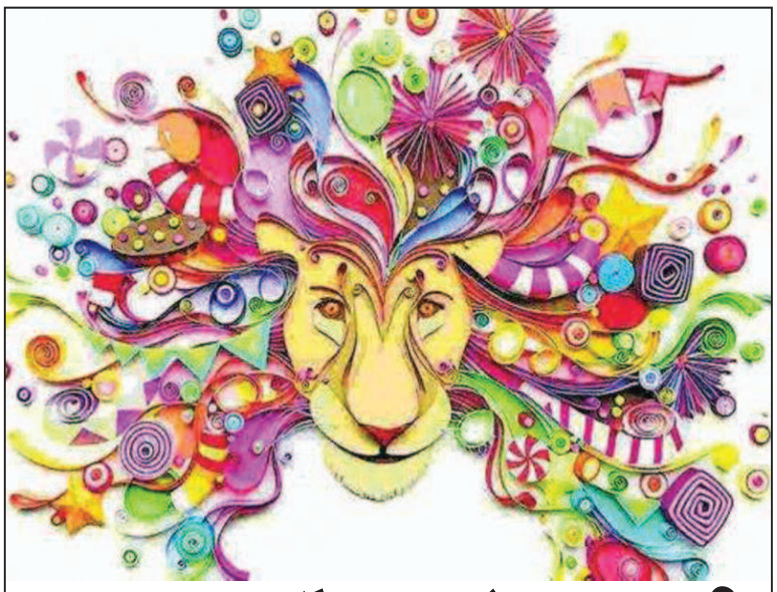

गजब का है यह पेपर आर्ट

पेपर क्विलिंग

मॉस्को की 34 साल की यूलिया ब्रोद्सकाया ने पेपर और गोंद की मदद से इन अचंभित कर देने वाली रंगीन रचनाओं को उकेरा है। इन्हें देख कर ऐसा लगता है कि ये तस्वीरें बोलती हैं। यूलिया को पेपर से बनाई जाने वाली ड्रॉइंग के साथ उनमें जान डाल देने वाले कलाकार के तौर पर भी जाना जाता है। इसे थ्रीडी ड्रॉइंग का नाम दिया जाए तो गलत नहीं होगा। यूलिया तीन स्टेप्स को फॉलो कर इन चित्रों को जीवंत रूप देती हैं। पहला स्टेप है पेपर काटना, दूसरा है फोल्ड करना और तीसरा है गोंद की मदद से फोल्ड किए हुए पेपर को किसी सतह पर चिपका एक नया रूप देना। इस आर्ट को पेपर क्विलिंग कहा जाता है।

अठारहवीं सदी में हुई थी पेपर क्विलिंग की शुरुआत

तुम्हें बता दें कि इस कला की शुरुआत अठारहवीं सदी में ही हो गई थी। दरअसल नन और भिक्षुओं द्वारा किताबों के कवर को सुंदर बनाने के लिए पेपर की सहायता से यही कलाकारी की जाती थी। तभी से यह कला प्रचलित हो गई।

यहां से मिली इस कला की प्रेरणा

यूलिया को इस कलाकारी का आइडिया तब आया, जब दस साल पहले उन्हें एक ब्रोशर में अपने नाम को अलग तरीके से लिखना था, कुछ ऐसा, जो उसकी कलाकारी को दर्शाता हो। कई वर्षों बाद उन्हें स्कूल के समय के दिनों में बनाए गए एक प्रोजेक्ट की याद आई, जिसमें उन्होंने पेपर क्विलिंग का इस्तेमाल किया था। बस फिर क्या था, उन्होंने उसी तरीके का इस्तेमाल कर ब्रोशर तैयार किया, जो लोगों को काफी पसंद आया। तभी से उन्होंने इस तकनीक का इस्तेमाल कर अलग प्रकार के चित्र बनाने शुरू किए।

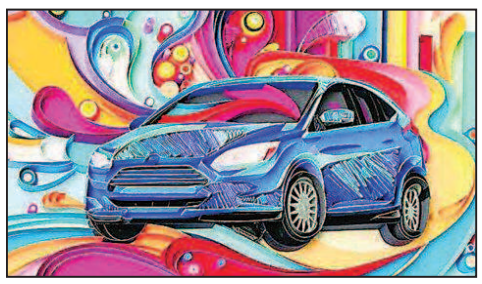

दोस्तों, रंग बदलने वाले जीव-जंतु सबका ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। ये ऐसा क्यों और कैसे करते हैं, तुम्हें इस बार बता रहे हैं। गिरगिट के अलावा भी ऐसे बहुत से जीव हैं, जो रंग बदलने में माहिर हैं। इन जीवों में फ्लाउंडर, मिमिक ऑक्टोपस, पीकॉक फ्लाउंडर, टोन स्पाइडर, ट्री फ्रॉग, गोल्डन टॉरटॉइज बीटल और स्कविड प्रजाति की कई मछलियां हैं। रंग बदलने की क्षमता को उनकी बड़ी ताकत के रूप में देखा जाता है। इन रंगों के बल पर ये जीव खुद को छिपाने में कामयाब रहते हैं, तो वहीं शिकारी से अपनी रक्षा भी करते हैं।

रंग बदलने में माहिर हैं ये जीव

ट्री फ्रॉग

इन्हें लॉफिंग ट्री फ्रॉग के नाम से भी जाना जाता है। जितने ये अपनी आवाज के लिए जाने जाते हैं, उतनी ही फुर्ती से अपने रंग बदलने के लिए भी। ये मेंढ़क भूरे, कत्थई और सफेद रंग बदलने में माहिर होते हैं। ये पीले व काले पैर और एमरेल्ड कलर के निशानों के साथ भी नजर आते हैं।

फ्लाउंडर

यह मछली पहली नजर में सपाट आकार की साधारण सी मछली नजर आती है, लेकिन इसमें अपने आसपास की चीजों के अनुसार अपना रंग बदलने की अद्भुत क्षमता है।

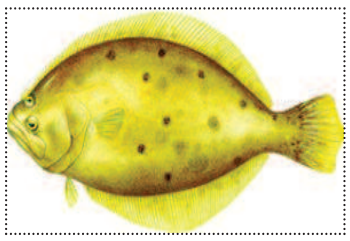

इनकी ताकत बढ़ाने में इनकी आंखें भी बहुत मददगार हैं। इस प्रजाति की मछलियां वयस्क होने पर अपनी आंखें दाईं या बाईं ओर घुमा सकती हैं। इससे जमीन की सतह के साथ तैरने में इन्हें आसानी होती है। ये मछलियां समुद्र के सबसे गहरे इलाके मरियाना ट्रेंच में भी पाई गई हैं, जो कि लगभग 35,000 फीट की गहराई में है।

टोन स्पाइडर

गोल्डनरॉड क्रेब स्पाइडर सिर्फ दो रंग बदल सकता है- एक सफेद और दूसरा पीला, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह अपना शिकारी सिर्फ इस रंग के फूलों को बनाता है। इसमें खासतौर पर डेजी और सूरजमुखी शामिल हैं। इस खूबी के बल पर यह फूलों का शिकार भी कर लेता है और शिकारी चिड़ियों से भी बचा रहता है।

गिरगिट

रंग बदलने में गिरगिट का कोई सानी नहीं होता। इसकी खासियत यह होती है कि ये अपने आसपास के पर्यावरण के हिसाब से रंग बदल लेते हैं। जिस पेड़ पर जाते हैं, उसी का रंग अपना लेते हैं। यह जीव कई बार शिकारी से बचने के लिए ऐसा करता है। गिरगिट की लगभग सभी प्रजातियां रंग बदलने में माहिर होती हैं। यह लंबे समय तक बदले हुए रंग में रह सकता है। यह छिपकली के परिवार का ही सदस्य माना जाता है।

कटलफिश

प्यारे से नाम वाली ये मछलियां बहुत बुद्धिमान होती हैं। ये मछलियां लगातार एक चतुराई से शिकार करने का और दूसरे बड़े जीवों से खुद को बचाने का काम करती हैं। ये ज्यादा देर तक एक रंग में नजर नहीं आतीं और दिमाग से मिलने वाले संदेश के अनुसार लगातार अपना रंग बदलती रहती हैं। जितनी आराम से तुम सांस लेते हो, उतनी ही आसानी से ये रंग बदलती नजर आती हैं, जो देखने में बहुत रोमांचक लगता है।

अनोखा अंगूरी क्राफ्ट

दोस्तों, तुम्हें अंगूर खूब अच्छे लगते हैं न! आज हम तुम्हें अंगूर से क्राफ्ट बनाना सिखा रहे हैं। तुम्हें चाहिए कुछ अंगूर, टूथपिक।

ऐसे बनेगा

अब इस तरह से अंगूर में टूथपिक डालो और दूसरे टूथपिक से अंगूर को जोड़ते जाओ। फिर तुम्हें जो शेप चाहिए, उस तरह से बनाओ। चार अंगूरों की मदद से पहले तुम्हें बेस तैयार करना होगा। बस तुम्हें यह ध्यान रखना है कि टूथपिक से अंगूर टूट ना जाए। एक बार बनाने के बाद अब तुम इसे खा सकते हो। बड़ा मजा आएगा अगर दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर खाओगे। चाहो तो अंगूर की जगह पर डो के छोटे-छोटे टुकड़ों का भी इस्तेमाल कर सकते हो।

अंगूर खाने के फायदे

इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है। अंगूर में सबसे अधिक पोटेशियम पाया जाता है, जो पाचन और दिल के लिए अच्छा होता है। विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत है। यह खून की कमी को भी दूर करता है।

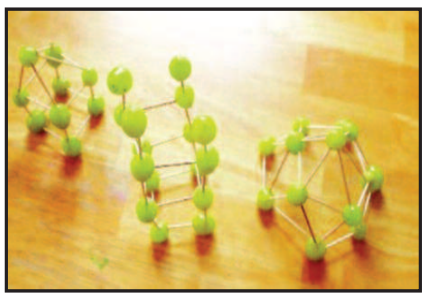

जब बच्चे बने टीचर

रोज की तरह रमा इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे आज भी स्कूल पहुंच रहे थे, पर उनके चेहरे पर स्कूल जाने का तनाव नहीं, बल्कि अलग तरह की उत्सुकता थी। आज उनके प्रिंसिपल बेदी सर ने उन्हें पूरी छूट दी थी। एक दिन पहले उन्होंने एसेंबली में भाषण देते हुए कहा था,''कल 14 नवंबर है, यानी बाल दिवस। आप सब समझते हैं कि स्कूल में बहुत बंदिश होती है। आप अपने मन की नहीं कर सकते। पर कल आप लोगों को पूरी छूट है। न स्कूल ड्रेस का डर न टीचर्स की डांट। कल हम सब कुछ अलग करेंगे। मुझे उम्मीद है, यह अलग वाली बात आप लोगों को पसंद आएगी।''

अगले दिन सुबह सारे बच्चे एसेंबली के लिए प्लेग्राउंड में इकट्ठे होने लगे। कुछ बच्चे जो काफी अमीर थे, वे तो ब्रांडेड सामान की पूरी दुकान नजर आ रहे थे। धीरे-धीरे सारा प्लेग्राउंड बच्चों से भर गया। रंग-बिरंगी तितलियों की तरह सारे बच्चे इधर-उधर भाग रहे थे, दोस्तों से मिल रहे थे। तभी घोषणा हुई कि प्रिंसिपल बेदी सर आ रहे हैं। सारे बच्चे तुरंत अपनी-अपनी क्लास की लाइन में आकर खड़े हो गए।

बेदी सर माइक के सामने आए और बोले, ''आज का दिन आप लोगों का है, मतलब बच्चों का दिन है। आज तक आप लोग इस स्कूल में पढ़ते रहे हैं और अपने टीचर्स से आपको शिकायत भी रही होगी। चलो, आज एक नया खेल खेलते हैं। आज आप लोग टीचर बनेंगे।''

''सर, अगर हम लोग टीचर होंगे, तो बच्चे कौन बनेंगे, जिन्हें हम पढ़ाएंगे?'' एक बच्चे की आवाज आई।

बेदी सर मुस्करा दिए। फिर बोले, ''मैंने भी यही सोचा था। फिर एक आइडिया आया। आप लोग चिंता न करें। आपके स्टूडेंट थोड़ी देर में आने वाले हैं।'' जब तक बेदी सर अपनी बात पूरी करते, तब तक स्कूल की चार बसें आकर रुकीं। उनके गेट खुले, तो उनमें से कुछ बच्चे उतरने लगे। हिंदी वाले सर के साथ क्लास मॉनिटर्स आगे बढ़े। उनके हाथ में टोकरियां थीं, जिनमें गुलाब के फूल थे। सर आगे बढ़कर एक-एक करके सभी बच्चों की शर्ट पर गुलाब के फूल लगाने लगे।

स्कूल के बच्चों की नजरें इन नए बच्चों पर से हट ही नहीं रही थीं। सारे बच्चे गरीब लग रहे थे। किसी के पैर में पुराने जूते थे, तो कोई चप्पल में था। उनके कपड़े वैसे थे, जैसे वे अपने घर में भी नहीं पहनते थे। प्रिंसिपल सर बच्चों को गौर से देख रहे थे। उनके मन की बात वे समझ गए। उन्होंने बोलना शुरू किया, ''कुछ दिनों पहले मुझे एक अनाथालय में जाने का मौका मिला। वहां मैं इन बच्चों से मिला। ये वो बच्चे हैं, जिनको आप लोगों की तरह माता-पिता का प्यार नहीं मिला। इन्हें कोई सुबह स्कूल के लिए तैयार नहीं करता, कोई इनके लिए स्कूल का लंच पैक नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये स्कूल नहीं जा पाते हैं और अपने आश्रम में ही आने वाले टीचर्स से पढ़ते हैं। पर इन्हें पढ़ाई में कमजोर मत समझना। इनमें से कुछ बच्चों ने मुझसे कहा कि सर हम भी देखना चाहते हैं, स्कूल कैसा होता है, और वहां पढ़ाई कैसे होती है। इसीलिए मैंने आज इन बच्चों को यहां आमंत्रित किया है। आज ये बच्चे हमारे स्टूडेंट हैं और आप लोग अपने टीचर्स के साथ मिलकर इन्हें पढ़ाएंगे ताकि स्कूल में पढ़ने का इनका सपना भी पूरा हो। मैं बस आप सबसे यही चाहता हूं कि अनाथालय से आए बच्चों को यह महसूस करा दो कि वे पराए नहीं, हमारे अपने हैं। बाल दिवस उन बच्चों के लिए भी महत्वपूर्ण है।''

इसके बाद एसेंबली खत्म हो गई और बच्चे अपनी-अपनी क्लास की ओर चले, पर उन बच्चों की कहानी सुनकर ज्यादातर बच्चों के चेहरे गंभीर हो गए थे। जब वे अपनी क्लास में पहुंचे तो उन्हें अनाथालय के बच्चे सीटों पर बैठे दिखाई दिए। ऐसी ही एक क्लास में खड़े टीचर ने कहा, ''कुछ बच्चे जो पढ़ाना चाहते हैं, वो मेरे पास आ जाएं। बाकी बच्चे इन बच्चों के साथ बैठ जाएं और पढ़ाई में सहयोग करें।''

एक-दो घंटे बाद पता ही नहीं चल रहा था कि ये बच्चे एक- दूसरे को जानते ही नहीं थे। सब एक-दूसरे से खुल गए थे। पढ़ाई में एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। पता नहीं कैसे स्कूल के बच्चों के मन में यह भावना आ गई थी कि अनाथालय के बच्चों को नहीं लगना चाहिए कि वे पराए हैं। लंच टाइम में स्कूल की तरफ से अनाथालय से आए बच्चों के लिए लंच आया, पर स्कूल के बच्चों ने अपना टिफिन भी उन बच्चों के साथ शेयर किया। ऐसे ही हंसते-खेलते स्कूल का टाइम बीता और छुट्टी का समय आ गया। बच्चों को आदेश था कि छुट्टी से पहले फिर से सब प्लेग्राउंड में इकट्ठे होंगे।

इस बार प्लेग्राउंड में सारे बच्चे एक साथ आए। स्कूल के बच्चे यह देखकर चौंक गए कि उनके माता-पिता को भी प्रिंसिपल सर ने बुला रखा था।

सर ने बच्चों को देखकर पूछा, ''बोलो बच्चो, आज का दिन कैसा लगा?''

''बहुत बढ़िया सर। इन बच्चों के साथ बहुत मजा आया।'' राघव जो एक बहुत बड़े बिजनेसमैन का बेटा था, वह आगे बढ़कर बोला।

''और आप लोगों को कैसा लगा हमारा स्कूल?''अब सर ने अनाथालय से आए बच्चों से पूछा।

''सर हमारा सपना पूरा हो गया। स्कूल में पढ़ने में बड़ा मजा आया। काश! हम रोज ऐसे पढ़ पाते।''कहते-कहते अनाथालय से आया अमित रो पड़ा।

''तुम्हारा सपना जरूर पूरा होगा।'' मुस्कराते हुए प्रिंसिपल सर बोले, ''मैंने अपने मैनेजमेंट से बात कर ली है। अब से हमारे स्कूल में दोपहर बाद भी आप लोगों के लिए अलग से स्पेशल क्लास हुआ करेगी। आप लोग यहां पढ़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।''

''हुर्रे।'' राघव खुशी से चिल्ला पड़ा। वह भूल गया कि वह स्कूल में, और वह भी प्रिंसिपल सर के सामने है।

सारा मैदान प्रिंसिपल सर की घोषणा के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सारे बच्चे अपने माता-पिता के पास गए और उनसे कुछ बात करने लगे। उनकी बात सुनकर वे मुस्काए और उनका सिर हां में हिलने लगा। बस फिर क्या था! देखते ही देखते मैदान में अजीब सा नजारा दिखाई देने लगा। स्कूल के लड़कों में से किसी ने अपनी शर्ट उतारी, तो किसी ने अपनी टी-शर्ट, उन्होंने अपनी शर्ट और टीशर्ट अनाथालय से आए बच्चों को जबरदस्ती पहना दी। यह सारा नजारा देखकर उनके माता-पिता भी मुस्काए बिना न रह सके। प्रिंसिपल सर के चेहरे पर भी संतोष की मुस्कान थी। बाल दिवस पर जो बात वह अपने बच्चों को सिखाना चाहते थे, वह उन्होंने अच्छे से सीख ली थी।

सेमीकंडक्टर की कमी: गाड़ियों की आपूर्ति फरवरी 2022 में 23 फीसदी घटी

मुंबई ।

वाहन उद्योग के निकाय सियाम ने कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी और आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों के कारण उत्पादन प्रभावित होने और नए नियमों के लागू होने से वाहनों की कीमतों में वृद्धि के कारण मांग परिदृश्य प्रभावित होने से कारखानों से डीलरों को गाड़ियों की आपूर्ति फरवरी 2022 में 23 फीसदी घटी हैं। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि फरवरी 2022 में कुल यात्री वाहनों, दो पहिया वाहनों और तीन पहिया वाहनों की थोक बिक्री 13,28,027 इकाई रह गई। जो पिछले वर्ष इसी महीने की 17,35,909 इकाई के मुकाबले 23 फीसदी कम है। फरवरी 2022 में यात्री वाहनों की कुल आपूर्ति छह फीसदी घटकर 2,62,984 इकाई रह गई, जो पिछले वर्ष समान महीने में 2,81,380 इकाई थी। यात्री कारों की थोक बिक्री पिछले महीने 1,33,572 इकाई रही जो फरवरी 2021 में 1,55,128 इकाई थी। हालांकि, यूटिलिटी वाहनों की बिक्री फरवरी 2021 की 1,14,350 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने बढ़कर 1,20,122 इकाई हो गई। पिछले महीने वैन की 9,290 इकाइयां बिकीं जो फरवरी 2021 की 11,902 इकाइयों की तुलना में कम है। इसतरह दो पहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने 27 फीसदी घटकर 10,37,994 इकाई रह गई जो एक वर्ष पहले 14,26,865 इकाई थी।

इसी तरह, तीन पहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने मामूली रूप से घटकर 27,039 इकाई रह गई जो पिछले वर्ष समान अवधि में 27,656 थी।

डिजिटल अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 800 अरब डॉलर होगी: सीतारमण

मुंबई ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत में इंटरनेट की पहुंच बढ़ने और आय स्तर में बढ़ोतरी के साथ ही डिजिटल अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 800 अरब डॉलर के पार हो सकती है। सीतारमण ने आईआईटी बॉम्बे पूर्व-छात्र संगठन को डिजिटल ढंग से संबोधित करते हुए कहा कि भारत में 6,300 से अधिक वित्त-प्रौद्योगिकी कंपनियां हैं, जिनमें से 28 प्रतिशत निवेश प्रौद्योगिकी में, 27 प्रतिशत भुगतान खंड में, 16 प्रतिशत उधारी खंड में और नौ प्रतिशत बैंकिंग बुनियादी ढांचे में हैं, जबकि 20 प्रतिशत से अधिक कंपनियां अन्य क्षेत्रों में हैं। उन्होंने कहा कि ये वित्त-प्रौद्योगिकी कंपनियां विभिन्न गतिविधियों में फैली हुई हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि एक आकलन के मुताबिक भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था 2020 में 85-90 अरब अमेरिकी डॉलर तक है और इसके 2030 तक बढ़कर 800 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारत में इंटरनेट की पहुंच बढ़ने और आय स्तर में वृद्धि के कारण डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-केवाईसी और ई-आधार जैसी तकनीक के साथ शेयर बाजारों तक पहंच को आसान बनाया है, जिससे बाजार में खुदरा निवेशक बढ़े हैं। सीतारमण ने कहा कि

खुदरा निवेशकों के खातों की कुल संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। यह आंकड़ा मार्च 2016 में 4.5 करोड़ था, जो मार्च 2021 तक बढ़कर 8.82 करोड़ हो गया।

उपभोक्ता बिना हॉलमार्क वाले सोने के गहनों की भी करवा सकते हैं शुद्धता जांच

नई दिल्ली ।

उपभोक्ता अब भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से बिना हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की भी शुद्धता जांच करवा सकते हैं। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि सोने के चार आभूषणों के परीक्षण का शुल्क 200 रुपए है। वहीं पांच या अधिक आभूषणों के लिए शुल्क 45 रुपए प्रति इकाई है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि अनिवार्य हॉलमार्किंग को सफलतापूर्वक लागू कर दिया गया है, जिसमें हर दिन तीन लाख सोने की वस्तुओं को एचयूआईडी (हॉलमार्क विशिष्ट पहचान) के साथ प्रमाणित किया जा रहा है। बीआईएस ने अब एक आम उपभोक्ता को बीआईएस से मान्यता-प्राप्त एसेइंग एंड हॉलमार्किंग सेंटर (एएचसी) में से किसी में भी अपने बिना हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की शुद्धता की जांच कराने की अनुमति देने का प्रावधान किया है। एएचसी को प्राथमिकता के आधार पर आम उपभोक्ताओं से सोने के आभूषणों का परीक्षण करना चाहिए और उपभोक्ता को एक परीक्षण रिपोर्ट प्रदान करनी चाहिए। बयान के मुताबिक उपभोक्ता को जारी की गई परीक्षण रिपोर्ट उपभोक्ता को उनके आभूषणों की शुद्धता के बारे में आश्वस्त करेगी और अगर उपभोक्ता अपने पास पड़े आभूषणों को बेचना चाहता है तो भी यह उपयोगी होगा। उपभोक्ता द्वारा खरीदे गए एचयूआईडी नंबर के साथ हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की प्रामाणिकता और शुद्धता को बीआईएस केयर ऐप वेरीफाई एचयूआईडी का उपयोग करके भी सत्यापित किया जा सकता है, जिसे प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

अमेरिका ने रूस से सर्वाधिक तरजीही देश का दर्जा वापस लिया

वाशिंगटन ।

यूक्रेन पर रूस के हमले से नाराज अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस को दिए गए सर्वाधिक तरजीही देश (एमएफएन) का दर्जा वापस ले लिया है। साथ ही रूस से समुद्री खाद्य उत्पादों (सीफूड), शराब एवं हीरों के आयात पर भी रोक लगा दी। अमेरिकी सरकार ने रूस से एमएफएन का दर्जा वापस लेने का निर्णय यूरोपीय संघ और जी-7 समूह के देशों के साथ मिलकर निर्णय लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस के रूजवेल्ट रूम से बाइडेन ने अपने बयान में कहा कि स्वतंत्र दुनिया पुतिन का मुकाबला करने के लिए एक साथ खड़ी हो रही है। सर्वाधिक तरजीह वाले देश का दर्जा वापस लेने से अमेरिका और उसके सहयोगी देश रूस से किए जाने वाले आयात पर भारी शुल्क लगा सकेंगे। इस निर्णय से अमेरिका और सहयोगी देश रूस की अर्थव्यवस्था को अलग-थलग करना चाहते हैं। इसके अलावा अमेरिका ने रूस के केंद्रीय बैंक की संपत्ति को जब्त, निर्यात को सीमित करने समेत रूस के कुलीन वर्गों और उनके परिवारों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का भी निर्णय किया है। बाइडन प्रशासन पर रूस के खिलाफ सख्त व्यापारिक कदम उठाने के लिए चौतरफा राजनीतिक दबाव बना हुआ था। अमेरिका द्वारा पिछले

एक महीने के दौरान लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों से रुस की मुद्रा रूबल डॉलर के मुकाबले 76 प्रतिशत गिर गई है। यूक्रेन पर रूस का सैन्य हमला दो हफ्ते बाद भी जारी रहने से भू-राजनीतिक तनाव की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका की अगुआई में तमाम पश्चिमी देश रूस के खिलाफ सख्त कदमों की घोषणा कर रहे हैं।पिछले हफ्ते सबसे पहले कनाडा ने रूस से एमएफएन का दर्जा वापस लिया था।

संक्षिप्त समाचार

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 631.92 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार मार्च को समाप्त सप्ताह में 39.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 631.92 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पूर्व 25 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1.425 अरब डॉलर घटकर 631.527 अरब डॉलर रह गया था। इससे पूर्व तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 अरब डॉलर के सर्वकालिक स्तर पर जा पहुंचा था। आरबीआई द्वारा जारी किए गए साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) के बढ़ने की वजह से हुई जो कुल मुद्राभंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आंकड़ों के अनुसार 18 फरवरी को समाप्त सप्ताह में एफसीए 63.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 565.466 अरब डॉलर हो गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा के मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 14.7 करोड़ डॉलर घटकर 42.32 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.981 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 3.4 करोड़ डॉलर घटकर 5.153 अरब डॉलर रह गया।

अनएकेडमी अगले दो वर्षों में पेश कर सकती है आईपीओ

नई दिल्ली । शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी अनएकेडमी ने कहा कि वह अगले दो वर्षों में शेयर बाजार में अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पेश करने पर विचार कर रही है। साथ ही कंपनी अगले एक साल में परीक्षा की तैयारी करने के लिए सामग्री प्रदान करने के अपने मुख्य कारोबार को लाभदायक बनाने पर भी जोर दे रही है। अनएकेडमी समूह के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी अपने रिलेवल कारोबार का विस्तार करना चाहती है। रिलेवल निजी नौकरियों के लिए परीक्षा कराने वाला मंच है। उन्होंने हाल ही में यहां कंपनी के पहले अनएकेडमी स्टोर का उदघाटन करते हुए कहा कि हम अगले दो वर्षों में पूंजी बाजार में अपना आईपीओ लाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी अगले एक साल के दौरान परीक्षा की तैयारी की सामग्री प्रदान करने वाले अपने मुख्य व्यवसाय को लाभदायक बनाना चाहती है।

आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नए खाते खोलने से रोका

मुंबई । भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम पेमेंट्स बैंक में नजर आईं सामग्री निगरानी से जुड़ी चिंताओं के बीच उसे नए खाते खोलने से रोक दिया है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नए खाते खोलने से रोकने वाला आदेश जारी किया। उसने कहा कि आरबीआई ने अपने अधिकार क्षेत्र के तहत अन्य कानूनों के साथ-साथ बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35ए के तहत पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को नए ग्राहकों के बैंक खाते पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्देश दिया है। आरबीआई ने भुगतान बैंक से अपने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली की व्यापक समीक्षा करने के लिए एक आईटी ऑडिट कंपनी नियुक्त करने का भी निर्देश दिया। रिज़र्व बैंक ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक का नए ग्राहकों के खाते खोलना आईटी लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आरबीआई द्वारा दी जाने वाली विशिष्ट अनुमति के अधीन होगा। पेटीएम पेमेंट्स बैंक का गठन अगस्त 2016 में हुआ था और इसने मई 2017 में औपचारिक रूप से अपना काम शुरू किया था।

ईपीएफओ ने पीएफ पर ब्याज दर घटाई

मुंबई । चालू वित्त वर्ष के लिए एंप्लॉयी प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन ने ब्याज दर घटाकर 8.1 फीसदी कर दी है। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए प्रोविडेंट फंड पर मिलने वाली ब्याज दर 8.5 फीसदी थी। हालांकि चालू वित्त वर्ष में इसें 40 आधार अंक से घटा दिया गया है। ईपीएफओ के फैसले का असर 7 करोड़ सब्सक्राइबर्स पर होगा। ब्याज दर को लेकर गुवाहाटी में ईपीएफओ सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की दो दिनों से बैठक जारी थी। इसी बैठक में यह फैसला लिया गया है। मौजूदा बाजार की स्थिति और रूस-यक्रेन क्राइसिस को देखते हुए यह माना जा रहा था कि ब्याज दर में कटौती की जा सकती है। पिछले दो वित्त वर्षों से ब्याज दर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। पहली बार वित्त वर्ष 2019-20 में ब्याज दर घटाकर 8.5 फीसदी किया गया। वित्त वर्ष 2020-21 में भी इसे 8.5 फीसदी रखा गया। वर्तमान में ईपीएफओ से करीब 7 करोड़ सब्सक्राइबर्स से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में ईपीएफओ से करीब 7 करोड़ सब्सक्राइबर्स से जुड़े हुए हैं। मोदी सरकार जब सत्ता में आई थी तब ब्याज दर 8.75 फीसदी थी। वित्त वर्ष 2014-15 में ब्याज दर 8.75 फीसदी, वित्त वर्ष 2015-16 में ब्याज दर 8.80 फीसदी, वित्त वर्ष 2016-17 में ब्याज दर 8.65 फीसदी, वित्त वर्ष 2017-18 में ब्याज दर 8.55 फीसदी, वित्त वर्ष 2018-19 में ब्याजदर 8.65 फीसदी और वित्त वर्ष 2019-20 से ब्याज दर 8.5 फीसदी पर बरकार है।

रुचि सोया 24 मार्च को पेश करेगी एफपीओ , 4300 करोड़ रुपए जुटाने की योजना

नई दिल्ली।

खाद्य तेल फर्म रुचि सोया 24 मार्च को अपना अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) लाएगी, जिसके जरिए उसकी 4,300 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना है। रुचि सोया का स्वामित्व बाबा रामदेव के नेतृत्व वाली पतंजलि आयुर्वेद के पास है। रुचि सोया ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि बोर्ड की एक समिति ने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) को मंजूरी दे दी है। बोर्ड ने बोली के लिए निर्गम को 24 मार्च 2022 को खोलने और 28 मार्च 2022 को बंद करने की मंजूरी भी दी। कंपनी को पिछले साल अगस्त में एफपीओ लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिली थी। रुचि सोना ने जून 2021 में ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था। डीआरएचपी के अनुसार रुचि सोया कुछ बकाया कर्ज को चुकाने, अपनी कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों और अन्य सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए निर्गम से मिली आय का इस्तेमाल करेगी। पतंजलि ने 2019 में 4,350 करोड़ रुपए में एक दिवाला प्रक्रिया के माध्यम से रुचि सोया का अधिग्रहण किया था। कंपनी

के प्रवर्तकों के पास फिलहाल करीब 99 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी को एफपीओ के इस दौर में कम से कम नौ फीसदी हिस्सेदारी बेचनी है। कंपनी में कम से कम 25 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी होनी चाहिए। सेबी के नियमों के मुताबिक कंपनी में कम से कम 25 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी होनी चाहिए। प्रवर्तकों के पास अपनी हिस्सेदारी को घटाकर 75 फीसदी करने के लिए करीब तीन साल का समय है।

उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद रेरा के क्रियान्वयन में सुधार आने की उम्मीद: एफपीसीई

नई दिल्ली।

घर खरीदारों की शीर्ष संस्था एफपीसीई ने उम्मीद जताई है कि उच्चतम न्यायालय के हालिया निर्देश के बाद अब रियल्टी कानून 'रियल एस्टेट नियामकीय प्राधिकरण (रेरा)' का क्रियान्वयन बेहतर तरीके से होगा। उच्चतम न्यायालय ने 14 फरवरी को केंद्र को यह पता लगाने का निर्देश दिया था कि विभिन्न राज्यों में रियल एस्टेट नियामकीय प्राधिकरण (रेरा) के तहत बने नियमों में क्या एकरूपता है और कहीं वे मकान खरीदारों के हितों की अनदेखी तो नहीं करते हैं। पिछले महीने न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने केंद्र को यह पता लगाने के लिए तीन महीने का समय दिया था कि राज्यों ने जो रेरा कानून बनाए हैं, वे केंद्र के 2016 में बने रेरा अधिनियम से अलग तो नहीं हैं। पीठ ने इस संदर्भ में मई, 2022 के पहले सप्ताह में रिपोर्ट देने को कहा था। फोरम फॉर पीपल्स कलेक्टिव एफर्ट (एफपीसीई) के अध्यक्ष अभय कुमार उपाध्याय ने इस विषय पर कहा, ''रेरा का क्रियान्वयन पूरी तरह से शुरू हुए को पांच साल हो चुके हैं लेकिन यह अब भी अपने तय लक्ष्य के करीब तक नहीं पहुंचा है।'' उन्होंने कहा कि इसकी प्रमुख वजह यह है कि राज्य जिनके पास इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी होती है वे सामान्य रियल एस्टेटस कानूनों और बिक्री समझौता नियमों में किसी तरह की एकरूपता का पालन नहीं करते हैं। उपाध्याय ने कहा, ''राज्यों के नियम रेरा के प्रावधानों के दायरे में नहीं आते, इससे कानून कमजोर हो जाता है और घर खरीदारों को रेरा के लाभ नहीं मिल पाते।'' उन्होंने कहा कि बिल्डर इसका पूरा फायदा उठाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ''उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद चीजें सही दिशा में बढ़ेंगी और कई घर खरीदारों को इसका लाभ मिलेगा।'' कॉलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रमेश नायर ने कहा कि राज्यों के रेरा नियमों की परख करने का उच्चतम न्यायालय का आदेश महत्वपूर्ण है क्योंकि विभिन्न राज्यों के रेरा नियमों में बिल्डर-खरीददार समझौतों को लेकर एकरूपता नहीं है। शीर्ष अदालत ने इस पर गौर किया था कि केंद्र सरकार ने रेरा कानून के अस्तित्व में आने के बाद 2016 में बिक्री के लिये समझौते के मसौदे को सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किया था। फिलहाल पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों ने ये नियम अधिसूचित नहीं किए हैं। पीठ ने कहा था, ''मौजूदा स्थिति में न्यायालय के लिए यह जानना जरूरी है कि राज्यों ने जो रेरा नियम बनाए, उसमें केंद्र के 2016 में बनाए कानून के जरूरी प्रावधानों को रखा गया है या नहीं। क्या उसमें कोई अंतर है, जिससे खरीदारों के हित प्रभावित हों।'' पीठ ने कहा, और शहरी मामलों का मंत्रालय की जांच करेगा और इस बारे में रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष पेश करेगा।

ईपीएफओ ने भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर घटाकर 8.1 फीसदी की, चार दशक में सबसे कम

नयी दिल्ली । वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर ब्याज दर घटाकर पिछले वित्त वर्ष की 8.5 प्रतिशत की दर से घटाकर 8.1 फीसदी करने का प्रस्ताव शनिवार को किया गया। यह बीते चार दशक से भी अधिक समय में सबसे कम ब्याज दर है। इससे पहले ईपीएफ पर ब्याज दर सबसे कम 8 फीसदी 1977-78 में थी। ईपीएफओ ने 31 मार्च को समाप्त हो रहे चालू वित्त वर्ष के लिए ब्याज दर उसके करीब पांच करोड़ सदस्यों के लिए तय की। एक सूत्र ने बताया, ''ईपीएफओ की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की शनिवार को बैठक हुई जिसमें 2021-22 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर 8.1 फीसदी रखने का फैसला लिया गया।'' सूत्रों ने कहा कि ईपीएफओ के पास जमा धन पर उसकी आय के आधार पर ब्याज दर तय की जाती है। जमाराशि 13 प्रतिशत बढ़ी है, वहीं ब्याज से आय केवल 8 प्रतिशत बढ़ी है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) ने 2020-21 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर 8.5 रखने का निर्णय मार्च 2021 में लिया था। इसे अक्टूबर 2021 में वित्त मंत्रालय ने मंजूरी दी थी। अब सीबीटी के हालिया फैसले के बाद 2021-22 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर की सूचना वित्त मंत्रालय को अनुमोदन के लिए भेजी जाएगी। मार्च 2020 में ईपीएफओ ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर सात साल में सबसे कम 8.5 फीसदी करने का फैसला किया था, जो 2018-19 में 8.65 फीसदी और 2017-18 में 8.55 फीसदी थी।

कपड़ा मंत्रालय को मानव निर्मित फाइबर, टेकटेक्स में पीएलआई के लिए 67 आवेदन मिले

नयी दिल्ली।

कपड़ा मंत्रालय को मानव निर्मित फाइबर और तकनीकी कपड़ा क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का लाभ उठाने के लिए 67 कंपनियों से आवेदन मिले हैं। कपड़ा के लिए पीएलआई योजना के तहत 40 मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) उत्पाद, 14 एमएमएफ कपड़े के सामान और 10 तकनीकी कपड़ा उत्पाद शामिल हैं। सरकार ने कपड़ा क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने, रोजगार के मौके तैयार करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 10,683 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। कपड़ा सचिव यूबी सिंह ने सीआईआई के एक कार्यक्रम में कहा, ''हमने तकनीकी कपड़ा क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। पीएलआई योजना के लिए बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।'' उन्होंने कहा, ने एमएमएफ और तकनीकी वस्त्रों के लिए पीएलआई का हिस्सा बनने के लिए आवेदन किए हैं, ''कम से कम 67 कंपनियों ने एमएमएफ और तकनीकी वस्त्रों के लिए पीएलआई का हिस्सा बनने के लिए आवेदन किए हैं, और ये कंपनियां एमएमएफ और तकनीकी वस्त्रों में 22-23 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेंगी।'' सिंह ने कहा कि निवेश की राशि उनकी उम्मीदों से अधिक है।

बायजू ने आईपीओ लांच से पहले 80 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया

नई दिल्ली । शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू को उसका आईपीओ लाने से पहले एक बड़ी सफलता हो सिल हुई है। दरअसल, बैजू रवींद्रन के नेतृत्व वाली इस कंपनी ने वित्तपोषण दौर में 80 करोड़ डॉलर (करीब 6,000 करोड़ रुपए) का फंड जुटाया है। कंपनी के अनुसार इस वित्तपोषण दौर में सुमेरु वेंचर्स, विटुवियन पार्टनर्स और ब्लैकरॉक ने भी भाग लिया। इस संबंध में जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बायजू ने 22 अरब डॉलर के उद्यम मूल्य पर ताजा फंड जुटाया है, जो 18 अरब डॉलर के कंपनी के पिछले मूल्यांकन से लगभग 22 प्रतिशत अधिक है। गौरतलब है कि कंपनी को यह सफलता ऐसे समय में मिली है, जब वह अपना आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले 9 से 12 महीनों में कंपनी अपना आईपीओ लॉन्च कर सकती है। आईपीओ के जरिए बायजू भारतीय शेयर बाजार में लिस्ट हो जाएगी। कंपनी से मिली जानकारी के मुतो बिक बायजू के संस्थापक रवींद्रन भी इस दौर में शामिल हुए और उन्होंने निजी तौर पर 40 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। इसके साथ कंपनी में रवींद्रन की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई है। गौरतलब है कि शैक्षिक प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू की स्थापना रवींद्रन और दिव्या गोकुलनाथ द्वारा 2011 में की गई थी। कथित तौर पर बायजू के प्लेटफॉर्म पर 150 मिलियन से अधिक शिक्षार्थी हैं।

रोहित सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

बेंगलोर । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने यहां श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। रोहित 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले भारत के नौवें खिलाड़ी बने हैं। भारत की तरफ से अब तक सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकार्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन ने सबसे ज्यादा 664 मैच खेले हैं। वहीं दूसरे नंबर पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी हैं। धोनी के नाम 538 मैच हैं जबकि तीसरे नंबर पर पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ हैं। द्रविड़ ने 509 मैच खेले हैं। 458 मैचों के साथ ही विराट कोहली चौथे , 433 मैचों के साथ मो अजहरुद्दीन पांचवें , 424 मैचों के साथ सौरव गांगुली छठे स्थान पर हैं। 403 विकेट लेकर अनिल कुंबले सातवें जबकि 402 मैच के याथ युवराज सिंह आठवें नंबर पर हैं। अब रोहित 400 विकेट के साथ ही नौवें नंबर पर आये हैं।

महिला विश्वकप : भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को 155 रनों से हराया

हैमिल्टन ।

स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर के शानदार शतकों के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्वकप के अपने तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 155 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने मंधाना के 123 और हरमनप्रीत के 109 रनों की सहायता से आठ विकेट पर 317 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था। इस प्रकार वेस्टइंडीज टीम को जीत के लिए 318 रनों का लक्ष्य मिला था जिसका पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम 40 ओवर ओर तीन गेंदों में ही 162 रनों पर सिमट गयी। डिएंड्रा डॉटिन ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाये और हेले मैथ्यू ने 43 रनों का योगदान दिया। बाकि बल्लेबाजी भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायीं और एक के बाद एक पेवेलियन लौट गयीं। भारत की ओर से स्नेह राणा ने 3 जबकि मेघना सिंह ने 2 विकेट लिए। झूलन गोस्वामी , राजेश्वरी गायकवाड़ और पूजा वस्त्राकर ने एक-एक विकेट लिया। भारतीय टीम की यह विश्वकप के तीन मैचों में दूसरी जीत है। पहले मैच में भारत ने पाकिस्तान को हराया था पर दूसरे मैच में उसे न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अब तक आईसीसी विश्व कप में अपने सभी सात मैच जीते हैं। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। जिसे मंधाना और हरमनप्रीत ने शतक लगाकर सही साबित कर दिया। मंधाना ने 123 रन जबकि हरमनप्रीत ने 109 रन बनाये जिससे भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 317 रन बनाये। पहले बल्लेबाजी के लिए आई भारतीय टीम को सलामी जोड़ी मंधाना और यस्तिका भाटिया ने 49 रन की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत दिलायी। सेलमेन ने यस्तिका को 31 रन पर आउट कर भारतीय टीम का पहला विकेट लिया। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरीं कप्तान मिताली केवल 5 रन ही बना पायीं पर मिताली ने मैदान में उतरते ही सबसे अधिक विश्वकप मैचों में कप्तानी का रिकार्ड अपने नाम किया। मिताली को हेली मैथ्यूज ने पेवेलियन भेजा। अनीशा मोहम्मद ने दीप्ति शर्मा को 15 रन पर आउट करके वेस्टइंडीज टीम को तीसरी सफलता दिलाई।इसके बाद स्मृति और हरमनप्रीत के बीच शतकीय साझेदारी हुई। दोनों ने भारतीय टीम के स्कोर 262 तक ले गई। चौथा विकेट मंधाना का गिरा। 290 के स्कोर पर भारतीय टीम का पांचवां विकेट ऋचा घोष के रूप में गिरा। ऋचा 5 रन बनाकर आउट हुईं। आउट होने वाली छठी बल्लेबाज पूजा वस्त्राकर रहीं। अनीशा ने पूजा को 10 रन पर आउट कर वेस्टइंडीज को छठी सफलता दिलायी। हरमनप्रीत आउट होने वाली सातवीं खिलाड़ी रहीं। हरमनप्रीत ने 107 गेंदों पर 10 प्रतिभाशाली होते हैं पर बाद के वे अधिक सफल नहीं होते हैं जबकि औसत प्रतिभा वाले बहुत आगे बढ जाते हैं। इसलिये निरंतर अभ्यास सबसे जरुरी है। उन्होंने कहा कि सैफ जैसे टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी माहौल में दबाव का सामना करना सीखने में सहायता मिलती है। भारत को इस टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला 15 मार्च को नेपाल से खेलना है। इसके बाद 19 मार्च को भारतीय टीम बांग्लादेश से खेलेगी। 21 मार्च को फिर से नेपाल से उसका सामना होगा। वहीं 25 मार्च को बांग्लादेश से खेलेगी। गोलकीपर :: हेमप्रिया सेरम, मेलोडी चानू केशाम, एड्रिजा सारखेल डिफेंडर : एस्टम ओरोन, निशा, रितु देवी, पूर्णिमा कुमारी, नकीता, काजल, वर्षिका मिडफील्डर = शिल्की देवी , पूनम, शुभांगी सिंह, प्रियंका सुजीश, मार्तिना थोकचोम, बबीना देवी, नीतू लिंडा । फॉरवर्ड = नैता कुमारी, रजिया देवी, अमीषा बाक्सला, सुनीता मुंडा, लिंडा कोम सेरतो ।

सैफ अंडर 18 महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली ।

भारतीय फुटबॉल संघ ने 15 से 25 मार्च तक जमशेदपुर में होने वाले सैफ अंडर 18 महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के लिये 22 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गयी है। टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनेरबी ने कहा कि चयनित खिलाड़ी भारतीय फुटबॉल को आगे ले जाएंगी। डेनेरबी ने कहा ,'' सबसे अहम बात यह है कि इतनी कम उम्र में इन्हें फुटबॉल की अच्छी खासी जानकारी है। अब इन्हें आगे जाने के लिए नियमित आधार पर अभ्यास की जरूरत है।'' साथ ही कहा कि बहुत से खिलाड़ी शुरुआत में काफी

वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी को मंधाना ने सर्वश्रेष्ठ करार दिया

हैमिल्टन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी विश्वकप में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी 123 रनों की शतकीय पारी को अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी करार दिया है। मंधाना को उनकी इस पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का अवार्ड भी दिया गया। उनकी इस पारी का टीम की जीत में अहम योगदान रहा है। मंधाना ने कहा कि युवा यास्तिका भाटिया ने जिस तरह से शुरुआत की उससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिला। जब टीम ने तीन विकेट गंवाए तो मुझे अपनी पारी को धीमा करना पड़ा पर हरमनप्रीत आक्रमक बल्लेबाजी करती रही। वह जिस प्रकार से खेली है , उससे मुझे खुशी हुई है। हमें पिछले मैच में अच्छी शुरुआत नहीं मिली थी। हमने इसके बारे में बात की थी। यास्तिका ने इस मैच में शुरू से ही अपने आक्रामक रुख से विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था जिसका लाभ टीम को हुआ। मंधाना ने कहा कि मैं कहूंगा कि यह मेरी शीर्ष तीन पारियों में से एक है। पिछले मैच के बाद हम वास्तव में और बेहतर बनकर उभरे हैं। मैच के हालातों को देखते हुए मैं अपने इस शतक को सबसे ज्यादा रेटिंग दूंगी। मंधाना ने 119 गेंदों पर 123 रन की पारी खेली। इस क्रिकेटर ने अब तक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में पांच शतक लगाये हैं।

स्मृति मंधाना ने अपना अवॉर्ड हरमनप्रीत के साथ किया शेयर, कही बड़ी बात

हैमिल्टन ।

भारत की स्टायलिश बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा है कि हरमनप्रीत दबाव में होने पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है। दोनों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ महिला विश्व कप के मैच में शतक जमाकर भारत को 155 रन से जीत दिलाई। स्मृति ने 119 गेंद में 123 रन बनाकर पांचवां वनडे शतक जमाया जबकि हरमनप्रीत ने 107 गेंद में 109 रन बनाए जो उनका चौथा वनडे शतक है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2017 विश्व कप में नाबाद 171 रन बनाने के बाद यह उनका पहला शतक था। स्मृति ने मैच के बाद अपना 'प्लेयर आफ द मैच पुरस्कार हरमनप्रीत के साथ साझा करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि जब उस पर दबाव बना होता है तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है। यह हम सभी ने देखा है। वह काफी मेहनत करती रहती है। विश्व कप में हमेशा वह बेहतरीन प्रदर्शन करती है। वह हमारे मध्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुझे खुशी है कि उसने शानदार वापसी की। वह अभ्यास सत्रों में अच्छा प्रदर्शन हर रही थी। हमें हमेशा से यकीन था कि वह रन बनाएगी। खुश हूं कि उसने लगातार दो अर्धशतक बनाए। इससे आगे के मैचों में उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा। दोनों के बीच 184 रन की रिकॉर्ड साझेदारी के बारे में स्मृति ने कहा कि जब वह बल्लेबाजी के लिये आई तो हालात पेचीदा थे। मैं नहीं चाहती थी कि

उसका फोकस टूटे या उसका विकेट जाए। एक बार 30-40 पर पहुंचने के बाद मजा आने लगा। उसके बाद हमने काफी बात की। वह बहुत मुस्कुरा रही थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद टीम ने काफी आत्ममंथन किया। स्मृति ने बताया कि हमने पिछले मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में काफी बात की । यस्तिका ने आज अच्छी नींव रखी और हमने उसे आगे बढ़ाया। हम पिछले 7-8 महीने से अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं तो उसे लेकर कोई चिंता नहीं थी। वेस्टइंडीज की कप्तान स्टेफानी टेलर ने कहा कि भारत की आक्रामक बल्लेबाजी से वे दंग रह गए। वे रणनीति बनाकर उतरे थे और हालात को बखूबी समझते थे। हम अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर सके। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी देखकर हम दंग रह गए।

संक्षिप्त समाचार

डु प्लेसिस बने आरसीबी के नये कप्तान

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल के 15 वें सत्र के लिए विराट कोहली की जगह पर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस को अपना नया कप्तान बनाया है। विराट ने आईपीएल के पिछले सत्र में ही घोषणा कर दी थी कि अब वह आगे कप्तानी नहीं करेंगे। आरसीबी अभी तक एक भी बार आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी है। अब देखना कि डु प्लेसिस टीम को इस बार खिताब दिला पाते हैं या नहीं। टीम ने कप्तान की घोषणा करने के साथ ही नई जर्सी भी लांच की है। आरसीबी ने मेगा नीलामी में डु प्लेसिस को 7 करोड़ रुपये में खरीदा था। बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान नये कप्तान के तौर पर डु प्लेसिस के नाम की घोषणा की गयी। इस दौरान प्रशंसकों की भी भारी भीड़ थी। आरसीबी ने इससे पहले ही अपने दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स को मेंटर बनाने की घोषणा कर दी थी। आईपीएल में डु प्लेसिस ने अब तक कुल 100 मैचों में 2935 रन बनाये हैं। इस दौरान इस बल्लेबाज ने 22 अर्धशतक लगाये हैं।

शारजाह में त्रिकोणीय टी20 क्रिकेट सीरीज खेलेंगी भारतीय नेत्रहीन टीम

नई दिल्ली । भारत की नेत्रहीन क्रिकेट टीम शारजाह में रविवार से पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ एक त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेलेगी यह मैच 19 मार्च तक होंगे। भारतीय नेत्रहीन क्रिकेट संघ (सीएबीआई) के अनुसार इन मुकाबलों का आयोजन शारजाह के स्काइलाइन यूनिवर्सिटी कैंपस में किया जा रहा है। सीएबीआई अध्यक्ष डॉ. महंतेश जीके ने कहा, ''फाइनल सहित सात मुकाबलों का आयोजन होगा और इसके लिए भारतीय टीम में 17 नेत्रहीन क्रिकेटरों को शामिल किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''सीएबीआई प्रतिभावान नेत्रहीन क्रिकेटरों को निखारने के लिए काम कर रहा है जिससे खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और वह अपनी पूर्ण क्षमता हासिल कर पाएंगे।''

नई जर्सी में नजर आयेगी दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें सत्र में एक नई जर्सी में नजर आयेगी। कैपिटल्स ने इस नई जर्सी को लांच कर दिया है। कैपिटल्स की टीम ने अपनी इस नई जर्सी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। कैपिटल्स की नई जर्सी सबसे पहले टीम के एक प्रशंसक को दी गयी। नई जर्सी के लांच किये जाने के अवसर पर टीम के अंतरिम मुख्य कार्यकारी विनोद बिष्ट ने कहा कि यह आईपीएल का एक नया सीजन है और हम अपने खिलाड़ियों को इस नई जर्सी में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हमारी टीम के प्रशंसकों के लिए यह गौरव का पल है। इसलिए हमें हर स्तर पर उन्हें अपनी यात्रा में शामिल करना होगा। कैपिटल्स की इस नई जर्सी में लाल और नीले रंग के बराबर डैश बने हैं। नई जर्सी युवा और जीवंत ऊर्जा को दिखाती है। इसमें लाल टीम मैदान में साहस का प्रतीक है, वहीं नीला रंग संतुलन और संयम का प्रतीक है। वहीं बाघ कैपिटल्स के लोगो का एक आंतरिक हिस्सा है। यह बड़ा और साहसी है क्योंकि टीम फिर से मुकाबले के लिए तैयार है।

हेल्स ने आईपीएल से नाम वापस लिया, केकेआर ने फिंच को शामिल किया

मुम्बई ।

इंग्लैंड के बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र से अपना नाम वापस ले लिया है। हेल्स को आईपीएल के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 1.5 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। हेल्स ने बायो बबल से होने वाली थकान को देखते हुए इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस लिया है। केकेआर ने अब हेल्स की जगह पर ऑस्ट्रेलिया के आरोन फिंच को शामिल किया है। फिंच ने अब तक 88 आईपीएल मुकाबलों में 2 शतक और 15 अर्धशतक की सहायता से 2686 रन बनाए हैं। केकेआर टीम को 26 मार्च को आईपीएल के अपने शुरुआती मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलना है। हेल्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी डाली है। इसमें उन्होंने लिखा है , मुझे यह घोषणा करते हुए दुख हो रहा है कि मुझे आईपीएल से हटना पड़ रहा है। पिछले चार महीने घर से दूर रहने के बाद प्रतिबंधित बायो बबल में और ऑस्ट्रेलिया में स्वयं कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण करने के बाद अब मेरा शरीर एक बार ओर बायो बबल में रहने के लिए तैयार नहीं है। एलेक्स ने अब तक आईपीएल के 6 मैचों में 148 रन बनाए थे। इसमें उन्होंने 13 चौके और छह छक्के भी लगाये थे।

बीसीबी के केन्द्रीय अनुबंध में शाकिब सहित पांच खिलाड़ी शामिल

ढाका ।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑलराउंडर शाकिब अल हसन सहित पांच क्रिकेटरों को इस साल तीनों प्रारूपों के लिए केन्द्रीय अनुबंध दिया है। बीसीबी ने शाकिब के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाने से इंकार करने के बाद भी उन्हें अनुबंध में शामिल किया है। शाकिब ने दौरे पर जाने से माना करते हुए बीसीबी से ब्रेक मांगा था जिसपर बोर्ड ने नाराजगी व्यक्त करते हुए उनपर सवाल भी उठाये थे। इससे पहले शाकिब जनवरी में भी निजी कारणों के नाम पर न्यूजीलैंड टेस्ट से बाहर हो गए थे। इसके बाद एक बार फिर उन्होंने कहा कि उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति उन्हें इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने की नहीं है। बीसीबी ने बाद में उन्हें 30 अप्रैल तक सभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों से आराम दे दिया। बीसीबी के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष जलाल यूनुस ने कहा कि शाकिब नवंबर के मध्य तक उन्हें टेस्ट से दूर रखने के अपने शुरुआती अनुरोध से पीछे हो गए थे। अब की गयी घोषणा से पता चलता है कि बीसीबी इस साल के बाकी टेस्ट मैचों के लिए शाकिब के उपलब्ध होने की उम्मीद कर रही थी। शाकिब के अलावा बीसीबी ने सभी प्रारूपों के अनुबंधों के लिए मुशफिकर रहीम, लिटन दास, तस्कीन अहमद और शोरिफुल इस्लाम के साथ करार जारी रखा है। वहीं महमुदुल हसन जॉय और यासिर अली, ऐसे दो खिलाड़ी हैं जिन्हें पहली बार टेस्ट क्रिकेट के अनुबंध पर रखा गया है। जबकि बीसीबी ने मोहम्मद सैफुद्दीन, सौम्य सरकार, सैफ हसन, अबू जायद और शमीम हुसैन को इस बार अनुबंध नहीं दिया गया है।

श्रेयस अय्यर शतक से चूके, भारत पहली पारी में 252 रन पर ऑल आऊट

स्पोर्ट्स डेस्क । भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच डे नाइट टेस्ट के रूप में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीत लिया है और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। भारत की ओर से श्रेयस अय्यर ने सर्वाधिक 92 रन बनाए। भारत ने पहली पारी में 252 रन। अक्षर के बाद शमी भी 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। नौवां विकेट गिरने के बाद श्रेयस अय्यर ने आक्रमक रुख अपनाया। उन्होंने ताबड़तोड़ शॉट लगाए। लेकिन शतक तक नहीं पहुंच पाए। उन्हें जयविक्रमा ने अपनी गेंद पर विकेटकीपर डिकवेला के हाथों स्टंप आऊट कराया। श्रेयस अय्यर के साथ अच्छी बल्लेबाजी कर रहे अक्षर पटेल को सुरंगा लकमल ने अपना शिकरा बनाया और भारतीय टीम को 8वां झटका दिया। अक्षर 7 रन बनाकर आउट हुए रन गति बढ़ाने के चक्कर में अश्विन ने डीसिल्वा की गेंद पर शॉट लगाया लेकिन डिकवेला ने इसे कैच कर लिया। अश्विन ने 33 गेंदों पर 13 रन बनाए। पिछले मैच के शतकवीर रविंद्र जडेजा इस मैच में 4 रन बनाकर आउट हो गए। श्रीलंकाई गेंदबाज एम्बुलडेनिया ने उन्हें अपना तीसरा शिकार बनाया और भारत को छठा झटका दिया। भारतीय टीम को पांचवां झटका ऋषभ पंत के रूप में लगा। पंत 7 चौकों की मदद से 39 रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंकाई गेंदबाज एम्बुलडेनिया ने उन्हें अपना तीसरा शिकार बनाया और भारत को छठा झटका दिया। भारतीय टीम को पांचवां झटका ऋषभ पंत के रूप में लगा। पंत 7 चौकों की मदद से 39 रन बनाकर आउट हुए। टी ब्रेक से ठीक पहले धनंजय डिसिल्वा ने विराट कोहली को आउट करके श्रीलंका टीम को बड़ी सफलता दिलाई। विराट 23 रन बनाकर आउट हुए। क्रीज पर अच्छे लग रहे हनुमा विहारी के रूप में भारतीय टीम को तीसरा झटका लगा। हुनमा 31 रन बनाकर जयाविक्रमा का शिकार बने। भारतीय टीम का दूसरा विकेट कप्तान रोहित शर्मा के रूप में गिरा। रोहित शर्मा 15 रन बनाकर आउट हो गए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम को मयंक अग्रवाल के रूप में पहला झटका लगा। मयंक 4 रन बनाकर आउट हुए।

डे-नाईट टेस्ट में विराट पर होंगी नजरें, आखिरी शतक पिंक बॉल में ही आया था

बेंगलुरू ।

पिछले 28 महीने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं जमा सके विराट कोहली श्रीलंका के खिलाफ शनिवार से गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में जब अपने आईपीएल मैदान पर उतरेंगे तो नजरें उन्हीं के बल्ले पर रहेंगी। कोहली ने आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में नवंबर 2019 में गुलाबी गेंद टेस्ट में ही शतक जमाया था। उन्होंने उस पारी में 136 रन बनाए थे। उसके बाद से भारतीय कप्तान 28 पारियां खेल चुके हैं लेकिन टेस्ट शतक नहीं बना सके। उन्होंने छह बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया और उनका सर्वोच्च स्कोर इस साल जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 79 रन था। अब वह एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर लौट रहे हैं जिस पर उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर आईपीएल खेलती है। मैदान से अच्छी तरह से वाकिफ होने का भी उन्हें फायदा मिलेगा। विश्व क्रिकेट में अपना अलग मुकाम बना चुके कोहली जब भी मैदान पर उतरते हैं तो उनसे काफी अपेक्षाएं होती हैं। मैदान से भीतर और बाहर अपने कैरियर के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से जूझ रहे कोहली की बीसीसीआई से ठनने और फिर वनडे टीम की कप्तानी से हटाये जाने से उन पर दबाव बढ़ा है। श्रीलंका के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के सामने हालांकि अपने मनचाहे मैदान पर वह बल्ले की खामोशी दूर कर सकते हैं। मोहाली टेस्ट में भी उन्होंने अच्छी शुरूआत की थी लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं बदल सके। ऐसा नहीं है कि वह अच्छा खेल नहीं पा रहे। वह गेंद को बखूबी मार रहे हैं लेकिन जिस धाराप्रवाह अंदाज में वह खेलते हैं, वह नजर नहीं आ रहा और कई बार उनकी एकाग्रता भी भंग हो रही है। थकाऊ कार्यक्रम भी इसकी एक वजह हो सकता है और बढ़ती उम्र भी। क्रिकेट के मैदान से इतर विवादों का असर भी उनके प्रदर्शन पर पड़ा है। भारत= रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हनुमा विहारी, रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, जयंत यादव, श्रेयस अय्यर, कोना भारत (विकेटकीपर), उमेश यादव, सौरभ कुमार, प्रियांक पांचाल श्रीलंका= दिमुथ करुणारत्ने (कप्तान), धनंजय डिसिल्वा, चरित असलंका, दुशमंथा चमीरा, दिनेश चांदीमल, एंजेलो मैथ्यूज, निरोशन डिकवेला, लसिथ एम्बुलडेनिया, विश्व फर्नांडो, सुरंगा लखमल, लाहिरू थिरिमाने, लाहिरु कुमारा, कुसाल मेंडिस, पाथुम निसांका ।

महिला विश्व कप के सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाली खिलाड़ी बनीं मिताली

हैम्लिटन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने शनिवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ आईसीसी विश्व कप के तीसरे मैच के लिए मैदान में उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। मिताली अब महिला विश्व कप के सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाली विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बन गयी हैं। मिताली ने सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी के मामले में ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान बेलिंडा क्लार्क का रिकॉर्ड तोड़ा है। बेलिंडा ने 23 मैचों में कप्तानी की थी , वहीं मिताली विश्व कप में 24वीं बार कप्तान के तौर पर उतरीं हैं। उनकी कप्तानी में खेले गये 23 मैचों में से भारतीय टीम ने 14 मैच जीते है और आठ हारे हैं। इसके अलावा एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इस बार विश्व कप के शुरुआती मैच में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराया था जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा। बल्लेबाज के तौर पर मिताली अब तक विशेष प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। पाक के खिलाफ वह नौ रन, न्यूजीलैंड के खिलाफ 31 रन व इस तीसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल पांच रन ही बना पायी हैं हालांकि अपने दो दशक के करियर में इस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा रन बनाने के साथ ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं।

देश के सुरक्षा बलों को मजबूत करने 'तनावमुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां' समय की जरूरत : मोदी

गांधीनगर । दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गांधीनगर के वलाद में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश के सुरक्षा बलों को मजबूत करने के लिए 'तनावमुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां' मौजूदा समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है/ इस अवसर पर पीएम मोदी ने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की उपस्थिति में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के नये कैम्पस का भी लोकार्पण किया/ प्रधानमंत्री ने कहा कि औपनिवेशिक काल के दौरान आंतरिक सुरक्षा की धारणा औपनिवेशिक शासकों के लिए शांति बनाए रखने के लिए जनता में भय पैदा करने पर आधारित थी। इसी तरह, पहले का परिदृश्य बहुत अलग था क्योंकि सुरक्षा बलों के पास तैयारी के लिए अधिक समय था जो अब नहीं है क्योंकि प्रौद्योगिकी तथा परिवहन एवं संचार में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की पुलिसिंग के लिए बातचीत और अन्य सॉफ्ट स्किल्स जैसे कौशल की आवश्यकता होती है जो लोकतांत्रिक परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की छवि बदलने की जरूरत पर बल दिया। लोकप्रिय संस्कृति में भी पुलिस का चित्रण इस संबंध में मददगार नहीं है। उन्होंने महामारी के दौरान पुलिस कर्मियों द्वारा किए गए मानवीय कार्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा, "स्वतंत्रता के बाद, देश के सुरक्षा तंत्र में सुधार की आवश्यकता थी। एक धारणा विकसित की गई थी कि हमें वर्दीधारी कर्मियों से सावधान रहना होगा। लेकिन अब यह बदल गया है। जब लोग अब वर्दीधारी कर्मियों को देखते हैं, तो उन्हें मदद का आश्वासन मिलता है।"

प्रधानमंत्री ने पुलिस कर्मियों के लिए नौकरी के तनाव से निपटने में संयुक्त परिवार के घटते समर्थन के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बलों में योग विशेषज्ञों सहित तनाव से निपटने के लिए विशेषज्ञों और विश्राम की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए तनाव मुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां समय की आवश्यकता है।ज उन्होंने सुरक्षा और पुलिसिंग कार्य में प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अगर अपराधी तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उन्हें भी पकड़ने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी पर जोर देने से दिव्यांग लोग भी इस क्षेत्र में योगदान करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि गांधीनगर क्षेत्र में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रक्षा विश्वविद्यालय और फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने इन संबंधित क्षेत्रों में समग्र शिक्षा कायम करने को लेकर नियमित संयुक्त संगोष्ठियों के माध्यम से इन संस्थानों के बीच तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, 'इसे पुलिस यूनिवर्सिटी मानने की गलती कभी न करें। यह एक रक्षा विश्वविद्यालय है जो देश की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखता है।"

उन्होंने भीड़ और भीड़ मनोविज्ञान, वार्ता, पोषण और प्रौद्योगिकी जैसे विषयों के महत्व को दोहराया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे मानवता के मूल्यों को हमेशा अपनी वर्दी के अभिन्न अंग के रूप में रखें और अपने प्रयासों में सेवा भावना की कभी कमी नहीं होने दें। उन्होंने सुरक्षा के क्षेत्र में लड़कियों और महिलाओं की बढ़ती संख्या पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'च्छम रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की अधिक भागीदारी देख रहे हैं। विज्ञान हो, शिक्षा हो या सुरक्षा, महिलाएं आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही हैं।"

भारत में PRAMA का पहला ब्रांड स्टोर गुजरात के भावनगर में खुला

भारत की प्रमुख स्वदेशी सुरक्षा और निगरानी उत्पाद निर्माण कंपनी, आत्मानिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप, PRAMA India ने अपना पहला स्टोर भावनगर, गुजरात में लॉन्च किया। PRAMA ब्रांड स्टोर का उद्घाटन सुरक्षा उद्योग के प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति मं किया गया।

भावनगर ने PRAMA का ब्रांड स्टोर रखने वाला पहला भारतीय शहर होने का सम्मान प्रपट किया है। कंपनी ने PRAMA ब्रांड स्टोर के चरणबद्ध लॉन्च की योजनाबनाई है और अगले 12 महीने की अवधि में Tier-I, Tier-II और Tier-III शहरों में फैले कई स्टोर खोलने का लक्ष्य रखा है।

PRAMA भारत का प्रमुख स्वदेशी सुरक्षा ब्रांड है, जिसने 1 मार्च, 2022 को भावनगर, गुजरात में अपने पहले ब्रांड स्टोर का उद्घाटन किया। इस नए ब्रांड स्टोर का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले अत्याधुनिक सिक्योरिटी एंड सर्वेलन्स प्रोडक्ट अत्याधुनिक टेक्नोलोजीके साथ ग्राहको को पहुचना है ।

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, आशीष पी.धकाण, एमडी और सीईओ, प्रामा इंडिया प्रा लिमिटेड ने बताया की , "यह भव्य स्टोर उद्घाटन कार्यक्रम प्रामा इंडिया से जुड़े सभी सुरक्षा पेशेवरों के लिए एक गौरवशाली क्षण है।हमें अपना पहला ब्रांडेड PRAMA स्टोर गुजरात के भावनगर के लोगों को समर्पित करते हुए खुशी हो रही है। यह शुरुआत है, जो हमारे ब्रांड की समग्र भारत मे वृद्धि की गवाह बनेगी हमारा स्टोर रणनीतिक रूप से सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास उत्पादों और समाधानों को प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमें उम्मीद है कि भावनगर में स्टोर नवीनतम प्रामा सुरक्षा और वीडियो निगरानी उत्पादों के स्रोत के लिए सौराष्ट्र क्षेत्र में सुरक्षा पेशेवरों की मदद करने में सक्षम होगा।

पीएम मोदी की शिक्षा नीति में गांधी जी के विचारों का समावेश : गृह मंत्री अमित शाह

अहमदाबाद। दांडी यात्रा के 92 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज अहमदाबाद के कोचरब आश्रम पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शिक्षा नीति में गांधी जी के विचारों का समावेश है। दांडी यात्रा एक ऐसा आंदोलन था, जिसने दुनियाभर के आंदोलनों में एक अलग पहचान बनाई। इतने बड़ा देश और उस समय कॉम्युनिकेशन के कोई साधन नहीं थे। गांधी जी बोले तो उसका लाइव सुनने की कोई व्यवस्था नहीं थी। अंग्रेजों के डर की वजह से अखबारों में कुछ प्रकाशित नहीं होता था, लेकिन गांधी जी जो बोलते थे उनके शब्दों में इतनी शक्ति थी कि वह देश के कोने कोने तक पहुंच जाती थी। गांधी जी दांडी यात्रा कर देशभर में चेतना जगाई और उस वक्त अंग्रेज भी उनकी दांडी यात्रा को रोक नहीं पाए। यह थी सत्य और कर्तृतव्यनिष्ठा की ताकत। अमित शाह ने कहा कि आज मोदी शिक्षा जो शिक्षा नीति लेकर आए है, वह मौजूदा दौर की जरूरत के मुताबिक है। जिसमें गांधी ने शिक्षा को लेकर जो विचार व्यक्त किए थे, उसे इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव को देश में तीन तरीकों से मनाने की शुरुआत की है। इस महोत्सव के अंतर्गत आजादी के योद्धाओं के नाम, उनके काम और बलिदान का परिचय आज की पेढी को देना और भारत की आजादी के बाद के 75 साल की यशस्वी यात्रा को लेकर लोगों में विश्वास जगाने और ।5वें वर्ष पर एक संकल्प लेना कि देश की आजादी के 100 साल पूर्ण होने पर देश दुनियाभर में पहले स्थान पर हो। इस मौके पर अमित शाह ने सात दिन की साइकिल यात्रा का प्रारंभ कराया। साइकिल यात्रा में 12 लोग शामिल हैं जो । दिन बाद दांडी पहुंचेंगे। बता दें कि दांडी यात्रा की स्मृति में प्रति वर्ष प्रतिकात्मक दांडी यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस बार आयोजित साइकिल यात्रा का केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रारंभ कराया और यात्रियों से कहा कि वे जिस गांव में रात्रि विश्राम करें, वहां एक बैठकर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुने। गांव को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तैयार करें। इस साइकिल यात्रा के जरिए फिर एक बार गांधी विचारों से चेतना जगाने का प्रयास करें। गांधी जी के विचार हमेशा जीवित रखना यह हम सभी की जिम्मेदारी है।

आप के दो विधायकों के राजकोट पहुंचने से सौराष्ट्र की सियासत गरमाई

गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील रविवार को राजकोट में हिन्दू सम्मेलन में शामिल होंगे

राजकोट।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे सामने आने के बाद अब सभी राजनीतिक दलों का अगला लक्ष्य गुजरात फतह करने का है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में जीत का परचम लहराने के बाद भाजपा गदगद है। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) भी पंजाब में ऐतिहासिक जीत हासिल कर काफी उत्साहित है। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने निराशा जरूर है, लेकिन उन्होंने भी गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव के लिए कमर कस ली है। इस बीच दिल्ली आप के दो विधायकों के राजकोट पहुंचने से सौराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। पंजाब फतह करने के बाद आप अब गुजरात जीतना चाहती है और इसके लिए राजकोट में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया है। इस दौरान भाजपा के कई कार्यकर्ताओं के आम आदमी पार्टी में शामिल होने की संभावना है। दूसरी ओर गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील कल राजकोट आ रहे हैं और एक हिन्दू सम्मेलन में शामिल होंगे। भाजपा ने सौराष्ट्र में कांग्रेस नेताओं की पार्टी में स्वागत करने का अभियान तेज क दियाहै। गिर सोमनाथ, जामनगर और राजकोट के कांग्रेस विधायक भाजपा की रडार में है। इसके अलावा सुरेन्द्रनगर, देवभूमि द्वारका के विधायकों पर भाजपा की नजर है। वहीं कांग्रेस विधायक और पूर्व विपक्ष के नेता परेश धानाणी की उपस्थिति में कांग्रेस की बैठक का आयोजन किया गया है। पांच राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद कांग्रेस, भाजपा और आप समेत अन्य राजनीतिक दलों ने गुजरात विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। आनेवाले दिनों में राजनीतिक दलों में खींचतान तेज हो सकती है। केवल भाजपा ने नहीं बल्कि कांग्रेस और आप समेत अन्य राजनीतिक दलों ने भर्ती अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। कई समाज के दिग्गज नेता भी राजनीतिक दल में शामिल हो सकते हैं।

रक्षा के क्षेत्र में जो युवा अपना करियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए यह यूनिवर्सिटी

गांधी नगर।

चार राज्यों में बंपर जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। पीएम मोदी के गुजरात दौरे का शनिवार को दूसरा दिन है, इस बीच शनिवार को पीएम मोदी ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में अब वेल ट्रेंड मेन पावर समय की मांग है। देशभर में रक्षा के क्षेत्र में जो युवा अपना करियर बनाना है। अब ये विश्वविद्यालय चाहते हैं, उनके लिए ही इस यूनिवर्सिटी का जन्म हुआ है।

पीएम ने शनिवार को राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का नया परिसर राष्ट्र को समर्पित किया। परिसर के उद्घाटन के दौरान उनके साथ गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। इससे पहले गांधीनगर के दहेगाम में पीएम ने रोड शो किया। रोड शो के दौरान मोदी ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिनंदन भी किया। पीएम को देख लोगों ने भारत माता की जय का नारा लगाया। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय को देश को समर्पित कर दिया है। अब ये विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह के बाद राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तेज गति से कार्य करने वाला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंचायत महासम्मेलन में ग्रामीण विकास पर जोर दिया। पीएम ने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि इस समय जब भारत आजादी के 75 साल का जश्न मना रहा है, तब चाष्टपिताज के ग्रामीण विकास का सपने जल्द पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राम स्वराज के सपने को पूरा करने के लिए पंचायती राज का ढांचा मजबूत करना महत्वपूर्ण है। पीएम ने कहा कि सभी पंचायत सदस्य इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

चार राज्यों में जीत के बाद गुजरात पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपनी मां हीराबेन से गांधीनगर में स्थित घर में मुलाकात की। पीएम मोदी ने इस दौरान मां से आशीर्वाद लिया और उनके साथ खाना भी खाया।

गुजरात के सीएम थे तब मोदी ने कानून और व्यव-स्था के विषय को नए नजरिए से देखा : गृहमंत्री

गांधीनगर ।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय उन्होंने कानून और व्यवस्था के विषय को एक नए नजरिए से देखने की शुरुआत की थी7 गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद मोदी ने सबसे पहले समग्र पुलिस बल के आधुनिकीकरण का और उनके नेतृत्व में शत-प्रतिशत पुलिस थानों का कम्प्यूटरीकरण करनेवाला गुजरात देश का पहला राज्य बनाया7 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी का नया कैम्पस राष्ट्र को समर्पित किया और इसके प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित किया7 इस मौके पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी मौजूद रहे7 दीक्षांत समारोह में बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2002 से 2013 तक जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय उन्होंने क़ानून और व्यवस्था के विषय को एक नए नज़रिए से देखने की शुरूआत की। अंग्रेज़ों के समय से एक परिपाटी चली आ रही थी कि क़ानून-व्यव-स्था के क्षेत्र और पुलिस बल में लोग सिर्फ़ नौकरी करने आते थे। लेकिन मोदी जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री बने तब उन्होंने सबसे पहला काम किया, समग्र पुलिस बल के आधुनिकीकरण का। उनके नेतृत्व में शत-प्रतिशत पुलिस थानों का कम्प्यूटरीकरण करने वाला गुजरात देश का पहला राज्य बना। शाह ने कहा कि मोदी जी ने थानों को कनेक्ट करने के लिए एक अत्याधुनिक सॉफ़्टवेयर बनवाया जिसके ज़रिए कॉन्स्टेबल की भर्ती में कम्प्यूटरसेवी कॉन्स्टेबलों को प्राथमिकता दी गई, सेवारत सभी कॉन्स्टेबलों के प्रशिक्षण का एक विस्तृत कार्यक्रम चलाया गया और पूरे पुलिस बल का कम्प्यूटरीकरण किया। इसके बाद जेलों और फ़ॉरेन्सिक प्रयोगशालाओं को भी इसके साथ जोड़ने का काम किया गया। अमित शाह ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन बड़ी पहल कीं। पहली, देश में सबसे अच्छी लॉ यूनिवर्सिटी बनाने का काम किया, राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी की परिकल्पना की और विश्वस्तरीय फ़ॉरेन्सिक साइंस यूनिवर्सिटी भी गुजरात में बनी। क़ानून और व्यव-स्था से जुड़े तीनों पहलुओं को मोदी जी ने यूनिवर्सिटी बनाकर शुरू से ही प्रशिक्षण के साथ जोड़कर युवाओं को ये सुविधा उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने गुजरात में एक बहुत बड़ा व्यवस्था परिवर्तन किया था और देश के सामने एक मॉडल शुरू किया था कि अगर बच्चों की ट्रेनिंग एक क्षेत्र विशेष में की जाए तो वे यहीं से निकल कर उस क्षेत्र में योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण और कम्प्यूटराइज़ेशन होने के बाद गुजरात पुलिस की सज़ा दिलाने की दर सिर्फ़ तीन साल में 22 प्रतिशत बढ़ गई। चाहे रिसर्चङ्कडेवलपमेंट हो, यहां से विशेषज्ञ बाहर निकलने हों, योगदान देने वाले सरकारी कर्मयोगी यहां से निकलने हों, इन सबकी शुरूआत देश के प्रधानमंत्री ने की थी।

अक्षय कुमार की सूरत में राहुल राज मॉल, सवनीत सर्किल से वाय जंक्शन मगदला में देखी गई बच्चन पांडे की सवारी

बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन कॉमेडी च्बच्चन पांडेज् का धमाकेदार तरीके से प्रचार कर रहे हैं। बता दे कि फिल्म में खिलाडी कुमार के अलावा कृति सेनन, जैकलीन फर्नांडीज और अरशद वारसी भी अहम भूमिकाओं में हैं। अक्षय अपनी फिल्म का प्रचार बेहद अलग अंदाज में कर रहे हैं, दरअसल, सुपरस्टार ने 'बच्चन पांडे की सवारी' को हरी झंडी दिखाई है, जो एक ट्रक की सवारी है जो मुंबई से दिल्ली के शहरों की यात्रा करेगी।

फिल्म में जैसा की अक्षय का किरदार ट्रक चलाते हुए नजर आता है और ऐसे में यह फिल्म का एक मुख्य आकर्षण है, इस तरह से फिल्म के निर्माताओं ने एक ट्रक में अपनी तरह की एक सड़क यात्रा की योजना बनाई थी, जिसे जुहू (मुंबई) में सन-एन-सैंड होटल से शुरू करने के बाद, 13 मार्च को सूरत में राहुल राज मॉल से होते हुए सवनीत सर्किल से वाय जंक्शन मगदला यानी फाइनल लोकेशन पर देखा जाएगा। बता दें कि 'बच्चन पांडे की सवारी अपनी यात्रा के दौरान अलग-अलग जगहों पर देखी जाने वाली है।

वहीं, बच्चन पांडे की सवारी के बारे में और बात करते हुए सुपरस्टार अक्षय कुमार कहते हैं, "यह च्बच्चन पांडे की सवारीज् है। यह ट्रक सूरत, फिर अहमदाबाद, फिर उदयपुर, फिर इंदौर, फिर अजमेर और आखिर में गुरुग्राम जाएगी। इस ट्रक पर छपे हुए नंबर पर आप फोन कर के आपको मुझसे जुड़ने का मौका मिलेगा, बाकी सब चीजें आपको फिल्म में देखने मिलेंगी।"

ऐसे में अगर आप अक्षय कुमार के डाईहार्ड फैन हैं तो, ये आपके लिए एक खास मौका है, क्योंकि आप सिर्फ बच्चन पांडे की सवारी यानी उनके ट्रक को देखकर 7069066777 पर कॉल कर के बताने पर, अक्षय से बात करने का सुनेहरा मौका पा सकते हैं।

फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित, 'बच्चन पांडे', जिसके ट्रेलर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, उसमे कृति सेनन, अरशद वारसी, पंकज त्रिपाठी, संजय मिश्रा, अभिमन्यु सिंह और जैकलीन फर्नांडीज के साथ एक प्रतिभाशाली कलाकारों की कास्ट देखने मिलने वाली है।

'होली पे गोली' के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट 'बच्चन पांडे' इस 18 मार्च, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है!

मुट्ठी भर रंगों और बादाम के साथ मनायें होली का त्योहार!

होली का त्योतहार आने ही वाला है। पानी से भरी बंदूकों और रंगों से भरे गुब्बारों के साथ अपनों को रंगने और आनंद मनाने का समय आ गया है। होली के दिन चारों ओर लोग रंग-बिरंगे चेहरों में खिलखिलाते नजर आते हैं। इस दिन बच्चे हों या फिर बड़े, सभी मस्ती के रंग में डूब जाते हैं। सब मिलकर डांस करते हैं, हंसी-ठिठोली करते हैं और अपने परिवार वालों के साथ मिल-बैठकर खूब मिठाईयां खाते हैं और ठंडाई एवं दूसरे पेय का मजा लेते हैं।

ढेर सारी मस्ती और खाना-पीना होली में निश्चित रूप से सबसे प्रमुख होता है। और जब हम रंगों के त्यो हार का जश्न मनाने के लिए पूरे जोश के साथ तैयारी कर रहे हैं, तो क्यों ना हम कुछ सोच-समझकर विकल्प भी चुनें। जैसेकि ऑर्गेनिक रंगों को अपनाकर त्व चा को हानिकारक रंगों से बचाएं। बदलते मौसम में अपनी सेहत को दुरुस्तऑ रखने के लिए सही आहार लें, गुझिया और दूसरी मिठाईयों की जगह बादाम जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ खायें। बादाम अच्छीर सेहत के उपहार के तौर पर जाने जाते हैं, तो अपने दोस्तों , परिवार वालों और अपने प्रियजनों को बादाम का शानदार तोहफा दें।

होली मनाने के बारे में बॉलीवुड की चर्चित अदाकारा सोहा अली खान ने कहा, "मेरे परिवार में सभी लोग होली मनाने का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि, मैं हमेशा इस बात को लेकर पूरी तरह सावधान रहती हूं कि मेरा परिवार इस दौरान क्याज खाता है और किन रंगों का इस्तेलमाल करता है। होली पर, मैं केवल ऑर्गेनिक कलर्स का इस्ते माल करती हूं और मिठाईयों की जगह फ्लेशवर्ड या चॉकलेट बादाम रखती हूं। मैंने हमेशा स्नैक के तौर पर बादाम को अपनाया है क्यों कि ये संतुष्टि देते हैं और इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन ई और दूसरे आवश्यरक पोषक तत्वे भी भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके अलावा, रोज़ाना बादाम खाने से हृदय संबंधी स्वा स्यू क , डायबिटीज , वेट मैनेजमेंट और संतुष्टि के साथ-साथ स्किन हेल्थद में काफी फायदे मिलते हैं। इसलिए बादाम अपने प्रियजनों को देने के लिए एक बहुत ही अच्छा तोहफा है जोकि उनकी संपूर्ण सेहत को भी बेहतर बनाएगा।"

कन्नड़ अभिनेत्री और सेलेब्रिटी प्रियंका उपेन्द्र ने कहा, "मेरे लिए तोहफे बहुत खास हैं। इसलिए मैं अपने प्रियजनों को उपहार देने से पहले इस बारे में थोड़ा ज्या दा सोचती हूं और काफी मशक्कत करती हूं। मैं पैकेज में बादाम का एक बॉक्सर जरूर रखती हूं क्योंकि बादाम को अच्छी सेहत केतोहफे के रूप में जाना जाता है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)